व्याख्यान सूची

संशोधित परास्नातक पाठ्यक्रम

सत्र 2019-20/2020-21

UNIVERSITY OF ALLAHABAD
QUOT RAMI TOT ARBORES

हिन्दी परिषद प्रकाशन

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद
की ओर से
एकमात्र वितरक

साहित्य भंडार
50, चाहचंद (ज़ीरो रोड), इलाहाबाद - 211003

हिन्दी एवं आधुनिक भारतीय भाषा विभाग
इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज
एम.ए. (हिन्दी) नया पाठ्यक्रम, सत्र 2019-20 से प्रारंभ

एम.ए. (हिन्दी) प्रथम सत्र

क्र.सं.	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	प्रथम	04	प्राचीन काव्य एंव निर्गुण भक्तिकाव्य (PRACHIN KAVYA EVAM NIRGUN BHAKTIKAVYA)	HIN-511
2	द्वितीय	04	हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ (HINDI GADYA KI VIBHINN VIDHAYEN)	HIN-512
3	तृतीय	04	भारतीय काव्यशास्त्र एवं हिन्दी आलोचना (BHARTIYA KAVYASHASTRA EVAM HINDI ALOCHANA)	HIN-513
4	चतुर्थ	04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक) [(HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ARAMBH SE RITIKAL TAK)]	HIN-514
5	पंचम	04	भारतीय साहित्य (BHARTIVA SAHITYA)	HIN-515

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्रथम प्रश्न पत्र

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 511

प्राचीन काव्य एवं निर्गुण भक्तिकाव्य

(नरपति नाल्ह, चन्दबरदाई, विद्यापति, कबीर,
रैदास एवं जायसी : अध्ययन और अलोचना)

इकाई-1

- आदिकाल का साहित्य और रासो काव्य परम्परा
- नरपति नाल्ह और बीसलदेव रासो : व्याख्या और आलोचना

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ : पद

1, 3, 4, 5, 10, 27, 28, 29, 30, 31, 32, 33, 35, 36, 37, 39, 45, 48, 49, 50, 61, 65, 67, 68, 69, 70, 71, 72, 73, 74, 75, 76, 77, 78, 79, 80, 81, 92, 94, 100 (कुल 40 पद)

बीसलदेव रासो : सम्पादक - माताप्रसाद गुप्त

- चन्दबरदाई और पृथ्वीराज रासो, व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ : कयमास वध : सम्पादक - हजारीप्रसाद द्विवेदी

इकाई-2

- विद्यापति : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ : पद

1, 2, 7, 9, 11, 13, 17, 19, 20, 21, 23, 29, 32, 33, 41, 46, 47, 48, 49, 75 (कुल 20 पद)

निर्धारित पुस्तक : विद्यापति संचयन - सम्पादक डॉ0 लालसा यादव

इकाई-3

- भक्ति साहित्य की विविध धाराएँ : संक्षिप्त परिचय एवं महत्त्वपूर्ण कवि
- हिन्दी की संत काव्य परम्परा और कबीर का साहित्य

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक : कबीर वाणी सुधा : सम्पादक डॉ0 पारसनाथ तिवारी

पद संख्या- 1, 3, 4, 7, 8, 9, 12, 18, 23, 33, 34, 38, 41, 44, 47, 49, 50, 53, 59, 64 (कुल 20 पद)

साखी- सतगुरु महिमा को अंग, परचा को अंग, विरह को अंग

इकाई-4

- रैदास : व्याख्या एवं आलोचना

  व्याख्या हेतु निर्धारित पाठ्य पुस्तक : रैदास की वाणी, सम्पादक योगेन्द्र सिंह

  पद संख्या- 6, 7, 9, 12, 13, 14, 16, 22, 23, 27, 28, 35, 37, 38, 39, 40, 41, 43, 46, 50 (कुल 20 पद)

इकाई-5

- हिन्दी का प्रेमाख्यानक काव्य परम्परा और जायसी

  जायसी का काव्य : व्याख्या एवं आलोचना

  जायसी ग्रंथावली : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (मानसरोदक खण्ड और संदेश खण्ड)

संदर्भ पुस्तकें :

रासो काव्य विमर्श	:	माता प्रसाद गुप्त
बीसलदेव रास	:	संपा0 माता प्रसाद गुप्त
बीसलदेव रास : एक गवेषणा	:	सीताराम शास्त्री
विद्यापति	:	शिव प्रसाद सिंह
विद्यापति संचयन	:	डॉ0 लालसा यादव
विद्यापति	:	आनन्द प्रकाश दीक्षित
विद्यापति का काव्य सौन्दर्य	:	डॉ0 लालसा यादव
कबीर मीमांसा	:	रामचन्द्र तिवारी
कबीर	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
अकथ कहानी प्रेम की : कबीर की कविता और उनका समय	:	पुरुषोत्तम अग्रवाल
कबीर : साखी और सबद	:	वासुदेव सिंह
रैदास	:	संपा0 योगेन्द्र प्रताप सिंह
संत रैदास	:	संपा0 कँवल भारती
जायसी	:	विजयदेव नारायण साही
जायसी ग्रन्थावली	:	रामचन्द्र शुक्ल
जायसी : एक नई दृष्टि	:	रघुवंश
पृथ्वीराज रासो	:	नामवर सिंह
पृथ्वीराज रासो और रेवातर	:	विपिन बिहारी त्रिवेदी

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय प्रश्न पत्र

निबन्ध एवं कथा साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 502

हिन्दी गद्य की विभिन्न विधाएँ

इकाई-1

हिन्दी निबन्ध साहित्य का स्वरूप

- आधुनिक गद्य और निबन्ध
- हिन्दी निबन्ध साहित्य का इतिहास
- निबन्ध के प्रकार
- हिन्दी कहानी का विकास, कहानी क्या है ?, कहानी : स्वरूप एवं लक्षण

इकाई-2

- बाबू बालमुकुंद गुप्त के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
  निर्धारित पाठ : (क) बनाम लार्ड कर्जन (ख) वायसराय का कर्तव्य
- कहानी : कला एवं अंतर्वस्तु, कहानी के तत्त्व

इकाई-3

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
  निर्धारित पाठ : (क) श्रद्धा-भक्ति (ख) कविता क्या है ?
- कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन और व्याख्या

निर्धारित पाठ : मृतक भोज (प्रेमचंद), हिलीबोन की बत्तखें (अज्ञेय), हंसा जाई अकेला (मार्कण्डेय), डिप्टी कलेक्टरी (अमरकांत)

इकाई-4

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
  (क) प्रायश्चित की घड़ी (ख) मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है
- कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन और व्याख्या

निर्धारित पाठ : मोहनदास (उदय प्रकाश), सलाम (ओमप्रकाश वाल्मीकि), प्रेत योनि (चित्रा मुदगल)

इकाई-5

उपन्यास

- हिन्दी उपन्यास : विकास परम्परा
- उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या-

निर्धारित पाठ : गोदान : प्रेमचंद
फाँस : संजीव

संदर्भ पुस्तकें :

आयन वॉट	:	उपन्यास का उदय (अनु0)
राल्फ फॉक्स	:	उपन्यास और लोकजीवन (अनु0)
जार्ज लुकाच	:	उपन्यास के सिद्धान्त (अनु0)
ई0एम0 फास्टर्स	:	उपन्यास के पहलू (अनु0)
परमानन्द श्रीवास्तव	:	उपन्यास का यथार्थ और रचनात्मक भाषा
राजेन्द्र यादव	:	कहानी : शिल्प और संवेदना
नामवर सिंह	:	कहानी : नई कहानी
देवीशंकर अवस्थी	:	नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति
बटरोही	:	कहानी : रचना-प्रक्रिया और स्वरूप
उपेन्द्रनाथ अश्क	:	हिन्दी कहानी : एक अंतरंग परिचय
सत्यप्रकाश मिश्र (संपा0)	:	गोदान
इन्द्रनाथ मदान (संपा0)	:	गोदान, नीलाभ प्रकाशन, इलाहाबाद
विश्वनाथ प्रसाद तिवारी (संपा0)	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
मलयज	:	रामचन्द्र शुक्ल
शिवप्रसाद सिंह	:	शांति निकेतन से शिवालिक तक
संजय सहाय (संपा0)	:	हंस, नवम्बर, 2015 में छपी 'फाँस' की समीक्षाएँ

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

तृतीय प्रश्न पत्र

भारतीय काव्यशास्त्र और हिन्दी आलोचना

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 513

इकाई-1

- विविध सम्प्रदाय : प्रमुख आचार्य और उनके मत
  (क) रस, (ख) अलंकार, (ग) रीति, (घ) वक्रोक्ति, (ङ) ध्वनि, (च) औचित्य

इकाई-2

- नाट्य सिद्धान्त
- नाट्य रचना के तत्व और प्रयोग
  वस्तु, नेता, रस, अभिनय
  रंग-कर्म, सामाजिक और सूत्रधार

इकाई-3

- संस्कृत काव्यशास्त्र में भाषा विवेचन :
  (क) शब्द शक्तियां,
  (ख) शब्दार्थ-मीमांसा- अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद, स्फोट, ध्वनि, वृत्तियां।

इकाई-4

छन्दशास्त्र :

(क) छंद की अवधारणा और परिवर्तन क्रम
(ख) हिन्दी छंद शास्त्र का विकास
(ग) छंद के विविध आधार- लय, ताल, तुक।

इकाई-5

- हिन्दी काव्यशास्त्र :
  (क) भक्तिकालीन कवियों के काव्य सिद्धान्त और भक्ति रस
  (ख) रीतिकालीन आचार्यों के काव्यसिद्धान्त और मौलिक उद्भावनाएं : आत्म सजगता, पदविन्यास, कलात्मकता।
  (विशेष संदर्भ : केशव, देव, चिन्तामणि, भिखारीदास : काव्य लक्षण और कवि-शिक्षा)

संदर्भ पुस्तकें :

गणेश त्रयम्बक देशपाण्डे	:	साहित्यशास्त्र
कान्तिचंद पांडे	:	स्वतंत्र कलाशास्त्र (भाग-1)
सुशील कुमार डे	:	संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास (2-खण्ड अनु0)
राघवन	:	शृंगार प्रकाश (अनु0)
बलदेव उपाध्याय	:	संस्कृत आलोचना
एम0 हिरियना	:	कला अनुभव
राममूर्ति त्रिपाठी	:	भारतीय काव्यशास्त्र के नये क्षितिज
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	नाट्यशास्त्र की भारतीय परंपरा और दशरूपक
डॉ0 नगेन्द्र	:	रस सिद्धान्त
रामचन्द्र शुक्ल	:	रस मीमांसा
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	भारतीय काव्यशास्त्र
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	हिन्दी काव्यशास्त्र के मूलाधार
प्रेमकान्त टण्डन	:	साधारणीकरण और सौन्दर्यानुभूति
केशवदास	:	कविप्रिया
भिखारीदास	:	काव्यनिर्णय
देवदत्त कौशिक	:	संस्कृत काव्यशास्त्र में व्यावहारिक समीक्षा
अज्ञेय, संपा0	:	समकालीन कविता में छंद
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	हिन्दी वैष्णव भक्ति काव्य में निहित काव्यादर्श एवं काव्यशास्त्रीय सिद्धान्त
किशोरीलाल	:	रीतिकालीन कवियों की मौलिक देन
सत्यप्रकाश मिश्र	:	कवि-शिक्षा की परंपरा और हिन्दी रीति साहित्य
निशा अग्रवाल	:	सृजनशीलता और सौन्दर्य बोध
पुत्तूलाल शुक्ल	:	आधुनिक हिन्दी कविता में छंद योजना

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

चतुर्थ प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आरम्भ से रीतिकाल तक

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 504

इकाई-1

साहित्येतिहास दर्शन :

- (क) इतिहास क्या है ? (ख) साहित्य का इतिहास लेखन- दर्शन, दृष्टि और विचारधारा
- हिन्दी-साहित्य : अंतरंग व बहिरंग साक्ष्य, उसकी प्रामाणिकता एवं नवीनीकरण
- काल-विभाजन के आधार तथा नामकरण की समस्या

इकाई-2

आदिकाल :

- हिन्दी साहित्य का आरम्भ
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य की प्रमुख धाराएँ
- आदिकालीन हिन्दी साहित्य का सांस्कृतिक, वैचारिक एवं लोकतात्त्विक आधार।
- प्रमुख रचनाकार एवं रचनात्मक प्रवृत्तियाँ

इकाई-3

भक्तिकाल :

- भक्ति आंदोलन का उदय : सांस्कृतिक, दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि
- भक्तिकाल- लोक जागरण एवं सांस्कृतिक समन्वय
- निर्गुण भक्ति काव्य- संत एवं सूफ़ी काव्य
- भारतीय लोकजीवन और संत कवियों की परंपरा
- संत कवियों की निर्गुण भक्ति
- प्रमुख संत कवियों के संदर्भ में संत मत का सांस्कृतिक और साहित्यिक मूल्यांकन
- प्रेमाख्यानक काव्य
  (क) भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य और उसकी परंपरा
  (ख) निर्गुण-भक्ति और सूफी साधना-पद्धति का अन्तर्सम्बन्ध
  (ग) प्रेमाख्यानक काव्य के प्रमुख कवि और काव्य प्रवृत्तियां

इकाई-4

सगुण भक्ति-काव्य (कृष्णभक्ति काव्य तथा रामभक्ति काव्य)

- कृष्ण भक्तिकाव्य के प्रमुख प्रेरणा स्रोत

- अष्टछाप और उसके प्रमुख कवि
- सम्प्रदाय-मुक्त कृष्ण भक्ति धारा के कवि और काव्य : मीरा और रसखान
- कृष्ण-भक्तिकाव्य का सांस्कृतिक और साहित्यिक मूल्यांकन
- रामभक्तिधारा : स्रोत और परंपरा
- रामभक्ति काव्य-धारा के प्रमुख कवि और काव्य
- तुलसीदास और उनका काव्य
- रामभक्ति धारा : सांस्कृतिक और साहित्यिक मूल्यांकन

इकाई-5

उत्तर-भक्तिकाल और रीतिकाल का अन्तर्सम्बन्ध

- रीतिकाल का शास्त्रीय आधार और प्रेरक तत्व
- रीतिकालीन कविता की विविध धाराएँ- रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त धारा के प्रमुख कवि और काव्य
- रीतिकाल की अन्य प्रवृत्तियाँ वीर, नीति, भक्ति और अन्य प्रवृत्तियाँ
- रीतिमुक्त एवं स्वच्छंदतावादी काव्यधारा
  (क) वैयक्तिकता (ख) सामाजिक यथार्थोन्मुखता (ग) विद्रोही वृत्ति (घ) भाषिक सजगता
- रीतिकालीन कविता के मूल्यांकन का नया परिप्रेक्ष्य

संदर्भ पुस्तकें :

हिन्दी साहित्य का इतिहास	:	रामचंद्र शुक्ल
हिन्दी साहित्य का आदिकाल	:	हजारी प्रसाद द्विवेदी
हिंदी साहित्य का अतीत (खण्ड 2)	:	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास	:	रामस्वरूप चतुर्वेदी
हिन्दी साहित्य का इतिहास (सं0)	:	नगेन्द्र
हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास	:	रामकिशोर शर्मा
भक्ति साहित्य का इतिहास	:	प्रेमशंकर
भक्ति आंदोलन और भक्ति काव्य	:	कुंवरपाल सिंह
उत्तरी भारत की संत परंपरा	:	पीताम्बर दत्त बड़थ्वाल
ह्वाट इज हिस्ट्री	:	ई0एच0 कार
ए टेक्टबुक आफ हिस्टिरियोग्राफी	:	ई0 श्रीधरन
हिस्ट्री एण्ड हिस्टोरियन्स	:	ए हिस्टरियोग्राफिकल
इंट्रोडक्शन	:	मार्क टी0 ग्लिडर्हस
साहित्य और इतिहास दृष्टि	:	मैनेजर पाण्डेय
साहित्येतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य की ऐतिहासिक प्रक्रिया	:	हरिश्चंद्र मिश्र

एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

पंचम प्रश्न पत्र

भारतीय साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 515

इकाई-1

- भारतीय साहित्य का स्वरूप, भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ, भारतीय साहित्य : आज के भारत का बिम्ब

इकाई-2

- भारतीय साहित्य का संक्षिप्त परिचय
  (बंग्ला, असमी, उड़िया, पंजाबी, मराठी, गुजराती, तमिल, तेलुगू, मलयालम)
- हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति

इकाई-3

- चयनित कविताओं की व्याख्या और आलोचना
  (क) सबसे खतरनाक, मैं अब विदा लेता हूँ : अवतार सिंह 'पाश' (पंजाबी)
  (ख) बनलता सेन : जीवनानंद दास (बांग्ला)
  (ग) धनबाद का खनिक, हकलाहट : के0 सच्चिदानंदन (मलयालम)

इकाई-4

- चयनित उपन्यास और कहानियों की व्याख्या और आलोचना
  (क) संस्कार (कन्नड़) : यू0आर0 अनंतमूर्ति
  (ख) आवारागर्द (उर्दू) : कुर्रतुल ऐन हैदर
  (ग) साहब, दीदी और गुलाम (मराठी) दया पवार

इकाई-5

- चयनित नाटक और निबन्ध की व्याख्या और आलोचना
  (क) नाटक : घासीराम (मराठी) विजय तेंदुलकर
  (ख) निबन्ध : क्या साहित्य विफल है? (उर्दू) आले अहमद सुरूर
  आत्मकथा, जीवनी और संस्मरण (हिन्दी) अज्ञेय

संदर्भ पुस्तकें :

डॉ. नगेन्द्र (सं.)	:	भारतीय साहित्य
इन्द्रनाथ चौधरी	:	भारतीय साहित्य की प्रवृत्तियां
लक्ष्मीकान्त पाण्डेय	:	भारतीय साहित्य
सुकुमार सेन	:	बंग्ला साहित्य का इतिहास
कल्याणी दास	:	बंग्ला साहित्य का इतिहास
अरुण कुमार	:	चयनम्

एम.ए. (हिन्दी) द्वितीय सत्र

क्र.सं.	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	छठा	04	सगुण भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य (SAGUN BHAKTIKAVYA EVAM RITIKAVYA)	HIN-516
2	सातवाँ	04	नाटक, रंगमंच एवं अन्य गद्य विधाएँ (NATAK, RANGMANCH EVAM ANYA GADYA VIDHAYEN)	HIN-517
3	आठवाँ	04	पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांत (PASHCHATYA SAMIKSHA SIDDHANT)	HIN-518
4	नौवाँ	04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) [(HINDI SAHITYA KA ITIHAS (ADHUNIK KAL)]	HIN-519

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

छठा प्रश्न पत्र

सगुण भक्ति

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 506

काव्य एवं रीतिकाव्य

(सूरदास, मीराबाई, तुलसीदास, केशवदास, बिहारी, घनानंद)

इकाई-1

सूरदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन

- कृष्ण काव्य की परम्परा
- हिन्दी कृष्ण काव्य की सामान्य प्रकृति एवं प्रवृत्तियां
- कृष्णकाव्य परंपरा और सूरदास
- रीतिकालीन काव्य : परिवेश एवं पृष्ठभूमि
- रीतिकालीन कविता का मुख्य प्रतिपाद्य
- रीतिकालीन कविता- शुद्ध साहित्य की खोज

इकाई-2

- सूरदास और उनका काव्य : जीवनानुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'भ्रमरगीत सार' (संपा0) रामचन्द्र शुक्ल
  पद संख्या- 11, 13, 19, 23, 28, 29, 50, 70, 82, 88, 92, 97, 104, 106, 114, 121, 128, 144, 146, 163 (20 छंद)
- केशवदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- रीति परम्परा : प्रवर्तन और विकास
- केशव काव्य की मुख्य विशेषताएं
- निर्धारित पुस्तक : रामचंद्रिका (प्रकाश 9 एवं 10)

इकाई-3

- मीराबाई : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
  (क) गीतिकाव्य परंपरा और भक्तिकालीन हिंदी कविता
  (ख) कृष्णकाव्य में गीति भावना और उसकी विशेषताएं
  (ग) मीरा और उनका काव्य : जीवनानुभूति और अभिव्यक्ति विधान
- निर्धारित पाठ्य पुस्तक : 'मीरा की पदावली' (खण्ड-2)- संपा0- परशुराम चतुर्वेदी
  पद संख्या- 3, 5, 7, 10, 14, 18, 19, 24, 25, 31, 32, 34, 36, 38, 44, 46, 48, 51, 66, 74 (20 पद)

- बिहारी : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
- बिहारी : शृंगार का वैभव
- काव्य कला और अभिव्यक्ति विधान
- निर्धारित पाठ्य पुस्तक : बिहारी सतसई (संपा0) जगन्नाथ दास रत्नाकर (आरम्भिक 60 दोहे)

इकाई-4

- तुलसीदास : व्याख्या और आलोचनात्मक अध्ययन
  (क) रामकथा और राम काव्य परम्परा
  (ख) राम काव्य में प्रबंध और गीति तत्व
  (ग) तुलसीदास और उनका काव्य : जीवनानुभूति और अभिव्यक्ति विधान
  (घ) रामकाव्य और कृष्णकाव्य के रचना विधान का तुलनात्मक अध्ययन
  निर्धारित पाठ्य पुस्तक : उत्तरकाण्ड (रामचरितमानस) दोहा सं. 75 से अंत तक।

इकाई-5

- घनानंद : व्याख्या और आलोचना : रीति स्वच्छंद काव्य धारा और घनानंद
- निर्धारित पाठ्य पुस्तक : घनानंद कवित्त- (संपा0) विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
  1, 2, 3, 5, 7, 16, 17, 20, 29, 32, 50, 53, 57, 59, 63, 66, 70, 82, 83, 87 (20 छंद, कवित्त एवं सवैया)

संदर्भ पुस्तकें :

भ्रमरगीत सार की भूमिका (त्रिवेणी)	:	रामचन्द्र शुक्ल
सूरदास	:	ब्रजेश्वर वर्मा
तुलसीदास	:	माताप्रसाद गुप्त
मीरा की भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुशीलन	:	भगवानदास तिवारी
मीरा का काव्य	:	विश्वनाथ त्रिपाठी
बिहारी की वाग्विभूति	:	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
स्वच्छन्द काव्यधारा और घनानंद	:	मनोहरलाल गौड़
केशव की काव्यकला	:	कृष्ण कुमार शुक्ल
केशव का काव्य	:	विजयपाल सिंह
तुलसी आधुनिक वातायन से	:	रमेश कुंतल मेघ
रामकथा का पुनर्पाठ	:	विनोद शाही
पंचरंग चोला पहिर सखी रे	:	माधव हाड़ा
हिन्दी नवरत्न	:	मिश्र बंधु
मीराबाई और भक्ति की आध्यात्मिक अर्थनीति	:	कुंमकुम संगारी
भक्ति आंदोलन और काव्य	:	गोपेश्वर सिंह

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

7वाँ प्रश्न पत्र

नाटक, रंगमंच एवं अन्य गद्य विधाएँ

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 507

इकाई-1

- हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास
- हिन्दी नाटक : आधुनिकता और पाश्चात्य प्रभाव
- भारतेन्दु का नाट्य चिंतन
- जयशंकर प्रसाद का नाट्य चिंतन और ध्रुवस्वामिनी
- हिन्दी में संस्मरण लेखन की परंपरा और 'याद हो कि ना याद हो' (काशीनाथ सिंह) के चयनित पाठों का समीक्षात्मक मूल्यांकन (दंत कथाओं में त्रिलोचन, होल्कर हाउस में हजारीप्रसाद द्विवेदी, जी ही जाने है आह मत पूछो, किस्सा साढ़े चार यार)

इकाई-2

- नाटक और रंगमंच का अंतर्सम्बन्ध
- नाटक और रंगमंच के तत्व और शैलियाँ
- स्वातंत्र्योत्तर रंग दृष्टि और मोहन राकेश : आषाढ़ का एक दिन
- अज्ञेय के यात्रा वृत्तांत 'एक बूंद सहसा उछली' के चयनित पाठों का समीक्षात्मक मूल्यांकन (यूरोप की अमरावती, रोम विद्रोह की परंपरा में, यूरोप की पुष्पावती- फिरेंगे, एक यूरोपीय चिंतक से भेंट, तो यार पेरिस है)

इकाई-3

- आत्मकथा लेखन की परंपरा
- हरिवंश राय बच्चन की आत्मकथा- 'क्या भूलूँ क्या याद करूं' का समीक्षात्मक मूल्यांकन
- धर्मवीर भारती का 'अंधा युग' समकालीन समय की व्यथा कथा मिथक/इतिहास के माध्यम से

इकाई-4

- नाटक तथा एकांकी में अंतर
- एकांकी के तत्व

इकाई-5

- निम्नलिखित रचनाओं का आलोचनात्मक मूल्यांकन एवं व्याख्या

(क) औरंगजेब की आखिरी रात - रामकुमार वर्मा

(ख) ऊसर - भुवनेश्वर

(ग) अपना-अपना जूता - लक्ष्मीकान्त वर्मा

संदर्भ पुस्तकें :

बच्चन सिंह	:	हिंदी नाटक
दशरथ ओझा	:	हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास
गोविन्द चातक	:	प्रसाद के नाटक स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी	:	मोहन राकेश और उनके नाटक
राजकुमार वर्मा	:	एकांकी कला
सिद्धनाथ कुमार	:	प्रसाद के नाटक
हरिमोहन	:	साहित्यिक विधाएं : पुनर्विचार
कमलेश सिंह	:	हिन्दी आत्मकथा स्वरूप एवं साहित्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
संपादक- पल्लव	:	गल्प का ठाठ काशीनाथ सिंह
महेश आनंद	:	जयशंकर प्रसाद (दो खण्ड)
नेमिचन्द जैन	:	रंग दर्शन
नेमिचन्द जैन	:	आधुनिक हिन्दी रंगमंच
सुनील विक्रम सिंह	:	हिन्दी साहित्य गद्य सर्जना

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

8वाँ प्रश्न पत्र

पाश्चात्य समीक्षा सिद्धान्त

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 518

इकाई-1

- आलोचना तथा आलोचक, प्रकृति और उद्देश्य, सर्जनात्मक साहित्य में उसका स्थान
- पाश्चात्य साहित्यालोचन के इतिहास की रूपरेखा

इकाई-2

- यूनानी काव्यशास्त्र और उसमें प्लेटो एवं अरस्तू की स्थिति और उनके सिद्धान्त : विरेचन, अनुकरण, ट्रैजिडी तथा लिरिक महाकाव्य
- रोमीय एवं मध्ययुगीन काव्यशास्त्र

इकाई-3

- पुनर्जागरण एवं नवशास्त्रवादी युग- शाश्वत एवं अपरिवर्तनीय प्रतिमानों की मांग, निर्णयात्मक आलोचना की प्रगति।
- स्वछंदतावादी युग के प्रतिमान, दर्शन तथा पृष्ठभूमि, कॉलरिज एवं वड्र्सवर्थ विवाद, जर्मनी तथा इंग्लैण्ड में स्वच्छन्दतावादी आलोचना की स्थिति

इकाई-4

- क्रोचे की सौन्दर्य दृष्टि एवं आलोचना, अभिव्यंजनावाद।
- आधुनिक युग में आलोचना की स्थिति तथा नई समीक्षा - टी0एस0 इलियट, जॉन क्रो रैंसम तथा आई0ए0 रिचड्र्स का योगदान।

इकाई-5

- विशिष्ट समकालीन आलोचक तथा उनके सिद्धान्त - रोलाबार्थ, देरिदा - संरचना, पाठ और विच्छेदन।

संदर्भ पुस्तकें :

लीलाधर गुप्त : पाश्चात्य साहित्यालोचन के सिद्धान्त (अनु0)

रेनेवेलेक : साहित्य सिद्धान्त (अनु0)

शम्भूनाथ झा : रिचर्ड्स के आलोचना सिद्धान्त

रामदरश मिश्र	:	हिन्दी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ
अरस्तू	:	पोयटिक्स (संपा.- डॉ. नगेन्द्र)
प्रभा खेतान	:	शब्दों का मसीहा- सार्त्र
मार्क्स एंगेल्स	:	साहित्य के बारे में (प्रगति प्रकाशन)
सुधीश पचौरी	:	देरिदा का विच्छेदन सिद्धान्त और साहित्य
इलियट	:	दि यूज ऑव पोयट्री एण्ड यूज ऑव क्रिटिसिज्म
जड़ाऊलाल मेहता	:	हाइडेगर
क्रोचे	:	एस्थेटिक्स
शिवमूर्ति पाण्डे	:	टी0एस0 इलियट के आलोचना सिद्धान्त
राबर्ट पेनवारेन एवं क्लींथ बुक्स	:	अण्डरस्टैंडिंग पोयट्री
तारकनाथ बाली	:	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
सावित्री सिन्हा (संपा0)	:	पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परम्परा
गोपीचंद नारंग	:	उत्तर संरचनावाद, संरचनावाद एवं प्राच्यवाद

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

9वाँ प्रश्न पत्र

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 519

इकाई-1

- आधुनिकता का अर्थ, मध्ययुगीनता तथा आधुनिकता का अन्तर
- भारतीय नवजागरण और हिन्दी क्षेत्र का नवजागरण
- आधुनिक काल- गद्यकाल, आधुनिक काल की प्रेरक विचारधाराएं
- आधुनिक काल के उदय की पृष्ठभूमि

इकाई-2

- आधुनिक हिन्दी कविता (1850 से अद्यतन)
- खड़ी बोली काव्य का विकास : प्रारम्भिक काल : भारतेन्दु और द्विवेदी युगीन कविता (ब्रज भाषा तथा खड़ीबोली के संदर्भ में)
- छायावाद : आन्दोलन तथा उसके प्रमुख कवि
- प्रगतिवादी काव्य
- प्रयोगवाद और नई कविता
- समकालीन हिन्दी कविता की विशेषताएं

इकाई-3

- हिन्दी गद्य का उद्‌भव एवं विकास
- गद्य निर्माण प्रक्रिया तथा भारतेन्दु : हिंदी की विविध विधाओं का विकास
- महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग
- हिन्दी पत्रकारिता का साहित्य के विकास में योगदान

इकाई-4

- हिन्दी नाटक और रंगमंच का स्वरूप और विकास
- हिन्दी आलोचना का आरम्भ और विकास
- हिन्दी कथा साहित्य के विकास के विविध चरण
  (क) कहानी विधा का विकास : विभिन्न कहानी आन्दोलनों की संक्षिप्त रूपरेखा
  (ख) उपन्यास का विकास तथा सामाजिक यथार्थ से उसका सम्बंध

इकाई-5

- हिन्दी के अन्य गद्य रूपों का विकास : संस्मरण, जीवनी, आत्मकथा, यात्रा, रेखाचित्र, रिपोर्ताज, गद्यकाव्य आदि
- समकालीन विमर्श

संदर्भ पुस्तकें :

क्रिस्टोफर किंग	:	वन लैंग्वेज टू स्किप्ट्स
मैक ग्रेकर	:	हिस्ट्री ऑफ लिट्रेचर
सुमन राजे	:	हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	हिन्दी गद्य : विकास और विन्यास
रामचन्द्र तिवारी	:	हिन्दी का गद्य साहित्य
लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	:	आधुनिक हिन्दी साहित्य की भूमिका (1757-1857 ई0)
लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय	:	आधुनिक साहित्य (1857-1900 ई0)
श्रीकृष्ण लाल	:	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास (1900-1925 ई0)
रामकिशोर शर्मा	:	हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास
बच्चन सिंह	:	आधुनिक साहित्य का इतिहास
बच्चन सिंह	:	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास
नामवर सिंह	:	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां
नामवर सिंह	:	छायावाद

एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर

10वाँ प्रश्न पत्र

लोक साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 520

इकाई-1

- लोक : प्राचीन और आधुनिक अवधारणा
- लोकवृत्त : परिभाषा और क्षेत्र
- लोकवार्ता के सहयोग शास्त्र-नृविज्ञान, मिथक, पुरातत्त्व और इतिहास, समाजशास्त्र, लोकवार्ता और लोक साहित्य
- लोक साहित्य में लोक संस्कृति की अभिव्यक्ति
- लोक साहित्य एवं शिष्ट साहित्य में अन्तर और अन्तर्सम्बन्ध
- लोक साहित्य का राष्ट्रीय जीवन के पुनर्निर्माण में महत्त्व

इकाई-2

- हिन्दी की जनपदीय बोलियों में लोक साहित्य के अध्ययन का इतिहास
- लोक साहित्य : परिभाषा, विशेषताएं, लोक साहित्य और लोक मानस
- लोक साहित्य का वर्गीकरण
  (क) प्रमुख रूप- लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा, लोक नाटक
  (ख) गौण रूप- लोकोक्तियाँ, मुहावरें, पहेलियाँ

इकाई-3

- लोकगीत : परिभाषा और लक्षण, लोकगीतों का काव्य सौन्दर्य-रस, अलंकार, बिम्ब, भाषा, प्रतीक, छन्द और लय
- लोकगीतों का वर्गीकरण- लोकगीतों के विभिन्न रूपों का परिचय
- लोकगाथा : परिभाषा और लक्षण, लोकगाथा और लोकगीतों में अंतर, लोक गाथाओं की उत्पत्ति के सिद्धांत, प्रमुख लोकगाथाओं का परिचय- लोरिकायन, चन्दायन, आल्हा

इकाई-4

- लोक कथा : परिभाषा और लक्षण, लोक कथाओं का वर्गीकरण, लोक कथाओं से सम्बद्ध पारिभाषिक शब्दावली, कथाभिप्राय, कथामानक रूप, मिथक, परीकथाएँ, अवदान, पशुपक्षी कथाएं
- लोक नाटक : परिभाषा और लक्षण, लोकनाटक और शिष्ट नाटक, हिन्दी की जनपदीय बोलियों के प्रमुख लोकनाटकों का संक्षिप्त परिचय

इकाई-5

- लोकोक्ति, मुहावरे, पहेलियां : परिभाषा, विशेषताएँ, महत्त्व, वर्गीकरण

निर्धारित पाठ/रचनाएँ

अवधी

क. बिटउनी- भलभद्र प्रसाद दीक्षित 'पढ़ीस'
ख. राम मड़ैया- बंशीधर शुक्ल
ग. धरती के पिया- विश्वनाथ सिंह 'विकल गोंडवी'
घ. धरती हमार- चन्द्रभूषण त्रिवेदी 'रमई काका'

भोजपुरी

क. नाव मंत्री के, अब रहींला हम- बेढब 'बनारसी'
ख. कॉची अमिया न तुरिह- विद्यानिवास मिश्र
ग. कवने खोतवा में लुकइलू- भोलानाथ 'गहमरी'
घ. गीत गावे अंगना- विश्वरंजन

ब्रज

क. रूप-सुधा- जगदीश गुप्त
ख. तीन मुक्तक- गयाप्रसाद शुक्ल 'सनेही'
ग. श्याम-छवि- करुणा शंकर शुक्ल 'करुणेश'
घ. रसवन्त कवित्तन की रितु आई- बैजनाथ गुप्त 'बृजेन्द्र'

छत्तीसगढ़ी

क. अमरइया में- भगवती सेन
ख. ढरका दिन बादर के दुहना- रमेश अहीर

कुमाऊँनी

क. कुन्थी- देवकी मेहरा
ख. उकाव हुलार- रमेश चन्द्र शाह

कहानियाँ

क. ठउर ठिकाना- बिंदादीन
ख. बड़की माई- जयसिंह 'व्यथित'
ग. भैरो के माई- विद्या बिन्दु सिंह

भोजपुरी

क. डुगडुगी- रामदेव शुक्ल
ख. पिल्ला- विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
ग. मुट्टन काका के एक्का के सवारी- रामेश्वरनाथ तिवारी

लोकगीत

अवधी-कजरी, दोना, सुहाग, भाँवर।

एम.ए. (हिन्दी) तृतीय सत्र

क्र.सं.	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	11वाँ	04	आधुनिक काव्य (20वीं शताब्दी के आरंभ से छायावाद तक) ADHUNIK KAVYA (20VEEN SHATABDI KE ARAMVBH SE CHHAYAVAD TAK)	HIN-521
2	12वाँ	04	कबीर (KABIR)	HIN-551
		04	जायसी (JAYASI)	HIN-552
		04	सूरदास (SURDAS)	HIN-553
		04	तुलसीदास (TULSIDAS)	HIN-554
		04	केशवदास (KESHAVDAS)	HIN-555
		04	प्रसाद (PRASAD)	HIN-556
		04	निराला (NIRALA)	HIN-557
		04	अज्ञेय (AGYEY)	HIN-568
		04	मुक्तिबोध (MUKTIBODH)	HIN-559
		04	भारतेन्दु हरिश्चंद्र (BHARTENDU HARISHCHANDRA)	HIN-560
		04	प्रेमचंद (PREMCHAND)	HIN-561
		04	रामचंद्र शुक्ल (RAMCHANDRA SHUKAL)	HIN-562
3	13वाँ	04	हिन्दी पत्रकारिता (HINDI PATRAKARITA)	HIN-563
	(वैकल्पिक)	04	प्रयोजनमूलक हिन्दी (PRAYOJANMULAK HINDI)	HIN-564
		04	भारतीय प्रवासी एवं विस्थापित समाज (डायस्पोरा) का साहित्य [BHARTIYA PRAVASI EVAM VISTHAPIT SAMAJ (DIASPORA) KA SAHITYA]	HIN-565
4	14वाँ	04	भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा (इतिहास एवं सिद्धांत) [BHASHA VIGYAN AUR HINDI BHASHA (ITIHAS EVAM SIDDHANT)]	HIN-522
5	15वाँ	04	निबंध : साहित्यिक एवं साहित्येत्तर (NIBANDH : SAHITYIK EVAM SAHITYETTAR)	HIN-523

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

11वाँ प्रश्न पत्र

आधुनिक काव्य

(20वीं शताब्दी के आरम्भ से छायावाद तक)

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 601

इकाई-1

आधुनिक हिन्दी कविता की पृष्ठभूमि और नए संदर्भ

- हिन्दी कविता का नया युग : युगीन भावना, चिन्तन, विषय वस्तु, भाषा, काव्य -रूप, शैली-शिल्प
- आधुनिक युग की रचनात्मक चुनौतियाँ और हिन्दी का आख्यानमूलक काव्य
- **मैथिलीशरण गुप्त** की काव्य-यात्रा और **'साकेत'**
- रामकाव्य-परम्परा और साकेत **(केवल आलोचनात्मक अध्ययन)** राष्ट्रीय चेतना, युगीन आदर्श, नारी भावना और काव्यत्व

इकाई-2

छायावादी काव्यांदोलन : उद्‌भव एवं विकास, नवीन रचना-दृष्टि और सौन्दर्य भावना

- जयशंकर प्रसाद की काव्य-यात्रा और 'कामायनी'
- कामायनी : प्रेरणा, कल्पना, विषयवस्तु, जीवन-दर्शन युगीन संदर्भ, महाकाव्यत्व, आलोचना-प्रक्रिया
- कामायनी : **श्रद्धा-सर्ग** और इड़ा-सर्ग (व्याख्या और आलोचना)

इकाई-3

- **निराला और छायावाद,** काव्य-यात्रा, निर्दिष्ट (व्याख्या और आलोचना)- सरोज-स्मृति और राम की **शक्ति-पूजा** (राग विराग, सम्पादक डॉ0 रामविलास शर्मा)

इकाई-4

पंत की काव्य यात्रा के विविध सोपान

- व्याख्या और आलोचना हेतु पंत की निर्दिष्ट कविताएं : **प्रथम रश्मि,** परिवर्तन, ग्रामश्री (आधुनिक कवि : पंत, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

इकाई-5

छायावाद और महादेवी

- छायावादी काव्य में रहस्य भावना और महादेवी वर्मा

- महादेवी के काव्य में स्वाधीन चेतना और गीति काव्य तत्व
- महादेवी की निर्दिष्ट कविताएँ (व्याख्या और आलोचना) (1) यह मंदिर का दीप (2) शलभ मैं शापमय वर हूँ (3) मैं नीर भरी दुःख की बदली (4) फिर विकल है प्राण मेरे (5) कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो (संधिनी : महोदवी वर्मा)

संदर्भ पुस्तकें

मोहन अवस्थी	:	आधुनिक काव्य शिल्प
उमाकांत गोयल	:	मैथिलीशरण गुप्त
शशि अग्रवाल	:	मैथिलीशरण गुप्त के काव्य की अंतर्कथाओं के मुख स्रोत
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नामवर सिंह	:	छायावाद
नामवर सिंह	:	आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
कुमार विमल	:	महादेवी का काव्य-सौष्ठव
रमेशचन्द्र शाह	:	जयशंकर प्रसाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता
परमानंद श्रीवास्तव (संपा0)	:	महादेवी
शम्भुनाथ	:	मिथक और आधुनिक कविता
शिवकुमार मिश्र	:	आधुनिक कविता और युग संदर्भ
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	आधुनिक कविता-यात्रा
डॉ0 नगेन्द्र	:	साकेत : एक अध्ययन
निर्मला अग्रवाल	:	खड़ी बोली काव्य : ऐतिहासिक संदर्भ और मूल्यांकन

पत्रिकाएँ :

बहुवचन, आलोचना, तद्भव, प्रतिमान, पहल

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

कबीर

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 551

इकाई-1

- भक्ति आन्दोलन और कबीर
- कबीर का जीवन-वृत्त : मिथक एवं ऐतिहासिकता

इकाई : 2

- कबीर की रचनाओं की विभिन्न पाठ-परम्पराएँ और उनकी प्रामाणिकता
- कबीर की कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई : 3

- **कबीर ग्रंथावली** के चयनित 60 पद :
  पद- 1, 2, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 23, 25, 27, 28, 29, 31, 32, 34, 36, 37, 39, 41, 43, 50, 54, 56, 61, 66, 67, 68, 70, 83, 87, 102, 107, 108, 114, 120, 124, 126, 127, 128, 131, 145, 161, 162, 163, 167, 170, 174, 178, 191, 194, 199, 200त्र60 पद।

साखी

क. परचा कौ अंग

ख. सुमिरन भजन महिमा कौ अंग

ग. पिउ पहिचानवे कौ अंग

(कबीर ग्रन्थावली- (सं0) डॉ0 पारसनाथ तिवारी)

इकाई : 4

- कबीर की विचारधारा : दार्शनिक, सामाजिक, धार्मिक, भक्तिपरक, साधनापरक

इकाई : 5

- कबीर का काव्य, उसकी लोकधर्मी परंपरा, भावाभिव्यक्ति की शैली तथा अन्य विशेषताएँ
- कबीर के काव्य का कलापक्ष- छंद, अलंकार, उलटबाँसी और उसका अर्थ-संधान
- कबीर की भाषा के विविध रूप : मूलाधार बोली, अभिव्यंजना पक्ष

संदर्भ पुस्तकें :

रामकुमार वर्मा	:	कबीर का रहस्यवाद
परशुराम चतुर्वेदी	:	उत्तरी भारत की संतपरम्परा
सरनाम सिंह शर्मा	:	कबीर : व्यक्तित्व, कृतित्व एवं सिद्धान्त
माताबदल जायसवाल	:	कबीर की भाषा
नजीर मुहम्मद	:	कबीर के काव्य रूप
गोविन्द त्रिगुणायत	:	कबीर की विचारधारा
रामचन्द्र तिवारी	:	कबीर मीमांसा
जयदेव सिंह (संपा0)	:	संत कवि कबीर
जयदेव सिंह	:	हिन्दी की निर्गुण काव्यधारा और कबीर
भवानीदत्त उप्रेती	:	संत कवि कबीर
रघुवंश	:	कबीर : एक नयी दृष्टि
रामकिशोर शर्मा	:	कबीर वाणी : कथ्य और शिल्प
धर्मवीर	:	कबीर के आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर के कुछ और आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर खसम खुशी क्यों होय ?

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

जायसी

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 552

इकाई-1

भक्ति आंदोलन और जायसी

- जायसी और सूफी विचारधारा
- जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- मध्यकालीन साहित्य का सांस्कृतिक पक्ष
- सूफी मत और जायसी

इकाई-2

जायसी की प्रेम साधना

- प्रेम भक्ति साधना और जायसी
- इस्लाम का एकेश्वरवाद और भारतीय धर्म साधना का अद्वैतवाद : रूपगत और दृष्टिगत भेद

इकाई-3

सूफी दर्शन की रहस्य साधना का पक्ष और जायसी

- रहस्यवाद की व्याख्या
- उपास्य रूपक प्रेमतत्व
- भावमूलक रहस्यवाद
- अभिव्यक्ति मूलक रहस्यवाद

इकाई-4

जायसी की काव्य कला और सौन्दर्य दृष्टि

- जायसी की काव्य भाषा
- सूफी कवियों का शिल्पगत वैशिष्ट्य और जायसी
- जायसी की सौन्दर्य दृष्टि

इकाई-5

जायसी काव्य का व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ

पद्मावत : 1. सिंहल द्वीप वर्णन खण्ड, 2. सुआ खण्ड, 3. प्रेम खण्ड, 4. नागमती वियोग खण्ड (व्याख्या और आलोचना)

जायसी ग्रंथावली- (संपा0) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

संदर्भ पुस्तकें

गोविन्द त्रिगुणायत	:	कबीर और जायसी के रहस्यवाद का तुलनात्मक अध्ययन
चन्द्रबली पाण्डेय	:	तसव्वुफ अथवा सूफीमत
रामचंद्र तिवारी	:	मध्यकालीन काव्य साधना
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	मध्यकालीन धर्म साधना
वासुदेव शरण अग्रवाल	:	पद्मावत (मूल और संजीवनी व्याख्या)
शिवसहाय पाठक	:	पद्मावत का काव्य सौन्दर्य
इन्द्रचन्द्र नारंग	:	पद्मावत का ऐतिहासिक आधार
परशुराम चतुर्वेदी	:	भारतीय प्रेमाख्यान परंपरा
मुंशीराम शर्मा	:	भक्ति का विकास
सत्येन्द्र	:	मध्ययुगीन हिंदी साहित्य का लोकतांत्रिक अध्ययन
श्याम मनोहर पाण्डेय	:	मध्ययुगीन प्रेमाख्यान
गुलाब राय, शम्भूनाथ पाण्डेय	:	रहस्यवाद और हिंदी कविता
रामपूजन तिवारी	:	सूफीमत साधना और साहित्य
जयदेव	:	सूफी महाकवि जायसी
विमल कुमार जैन	:	सूफीमत और हिंदी साहित्य
कमल कुलश्रेष्ठ	:	हिंदी प्रेमाख्यानक काव्य
रघुवंश	:	जायसी एक नई दृष्टि
विजयदेव नारायण साही	:	जायसी

एम0ए0 तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

सूरदास

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 553

इकाई-1

भक्ति आन्दोलन और सूरदास

(क) मध्य युग : सामाजिक अवस्था और भक्ति आंदोलन

(ख) वैष्णव आचार्य में आचार्य बल्लभ का स्थान

(ग) शुद्धाद्वैत दर्शन और पुष्टिमार्गीय भक्ति संप्रदाय

(घ) वल्लभ संप्रदाय तथा अन्य कृष्ण-भक्त

इकाई-2

कृष्ण भक्ति परम्परा और सूरदास

- कृष्ण भक्ति-साहित्य की परंपरा
- अष्टछाप और सूरदास
- सुरदास का जीवन-चरित्र- अंतःसाक्ष्य और बहिर्साक्ष्य जनश्रुति
- सूरदास की रचनाएँ और उनकी प्रामाणिकता
- हिन्दी कृष्ण काव्य परम्परा में सूरदास का स्थान

इकाई-3

सूरदास की भक्ति : दार्शनिक और वैचारिक आधार

- सूरसागर पर श्रीमद्भागवत तथा अन्य पुराणों का प्रभाव और मौलिकता
- सूरदास की प्रबंध कल्पना : कृष्णलीला, विविध कथाएँ

इकाई-4

सूर की काव्य कला

- सूर की पात्र कल्पना
- सूर की गीत योजना
- सूर की भावाभिव्यंजना
- सूर का वर्णन कौशल और सौन्दर्य सृष्टि
- सूर की भाषा-शैली और उसके विविध रूप
- सूर की अलंकार योजना, छंद-विधान

इकाई-5

सूरसागर से निर्धारित पाठ

- सूरदास की हस्तलिखित प्रतियाँ, मुद्रित संस्करण, उसके पाठ की समस्या, उनका सामान्य रूप।
- सूरसागर : व्याख्या हेतु निर्धारित 60 पद (धीरेन्द्र वर्मा सं0 सूरसागर सार)

  विनय तथा भक्ति- 20 पद : 1, 2, 4, 11, 12, 18, 19, 21, 22, 23, 24, 25, 32, 39, 42, 44, 45, 46, 48, 54

  गोकुल लीला- 10 पद : 6, 7, 13, 16, 18, 19, 25, 33, 35, 56

  वृन्दावन लीला- 10 पद : 38, 42, 50, 79, 86, 145, 151, 156, 160, 166

  मथुरा गमन - 10 पद : 56, 60, 62, 64, 68, 87, 93, 101, 104, 111

  उद्धव संदेश - 10 पद : 49, 60, 65, 77, 95, 97, 102, 127, 136, 139

संदर्भ पुस्तकें

नन्द दुलारे वाजपेयी	:	सूरदास
रामचन्द्र शुक्ल (सं0)	:	भ्रमरगीत सार
प्रभु दयाल मीतल	:	अष्टछाप निर्णय
विजयेन्द्र स्नातक	:	बल्लभ सम्प्रदाय : सिद्धान्त और साहित्य
हरवंश लाल शर्मा	:	सूर और उनका काव्य
सावित्री श्रीवास्तव	:	नाभादास कृत भक्तमाल तथा प्रियादास कृत टीका का पाठालोचन
ब्रजेश्वर वर्मा	:	सूरदास
मनमोहन गौतम		: सूर की काव्यकला
विद्वलनाथ		: भक्तिहंस (अनु. केदानाथ)
हजारी प्रसाद द्विवेदी		: सूर साहित्य
मीरा श्रीवास्तव	:	कृष्ण काव्य में सौन्दर्य बोध एवं रसानुभूति
नगेन्द्र (सं0)	:	सूरदासः ए रिवैल्युएशन
लक्ष्मी शंकर निगम	:	श्रीबल्लभाचार्य : उनका शुद्धाद्वैत एवं पुष्टिमार्ग
राजेन्द्र कुमार वर्मा (संपा0)	:	सूरसागर भाष्य
रमेश कुंतल मेघ	:	मनखंजन किनके

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

तुलसीदास

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 554

इकाई-1

भक्ति आन्दोलन और तुलसीदास

- भक्ति आंदोलन का उद्‌भव और विकास
- तुलसीदास का कवि व्यक्तित्व : सीमाएँ तथा विशेषताएं
- मध्ययुगीन चिंताधारा और तुलसी की जीवन दृष्टि

इकाई-2

तुलसीदास की दार्शनिक विचारधारा और भक्ति

- तुलसीदास के विचारों की सामाजिक पृष्ठभूमि
- तुलसीदास का भक्ति दर्शन
- विविध भक्ति संप्रदाय तथा तुलसी की दास्य भक्ति

इकाई-3

राम काव्य परंपरा और तुलसीदास

- राम कथा की आधारभूत सामग्री और उसके ग्रहण का दृष्टिकोण
- तुलसीदास के जीवन वृत्त की सामग्री और प्रामाणिकता की समस्या
- तुलसीदास की रचनाओं का अनुशीलन : प्रामाणिकता, तिथिक्रम और पाठ की दृष्टि से
- तुलसीदास की अन्य कृतियों का आलोचनात्मक अध्ययन
- तुलसीदास द्‌वारा प्रयुक्त काव्य : शैलियाँ तथा काव्य रूप

इकाई-4

तुलसीदास की काव्य कला और भक्ति धारा में स्थान

- तुलसीदास और काव्य-शिल्प का विधान : रस, छंद, अलंकार
- तुलसीदास द्वारा प्रयुक्त भाषा के विविध रूप
- तुलसीदास की पात्र कल्पना और चरित्र चित्रण
- तुलसी की मौलिकता
- महाकाव्यकार तुलसीदास
- भक्ति काव्यधारा में तुलसी का योगदान

इकाई-5

रामचरितमानस : व्याख्या एवं आलोचना

निर्धारित पाठ : सम्पूर्ण अयोध्याकाण्ड

कवितावली : उत्तरकाण्ड- निर्धारित पाठ : 31, 33, 37, 57, 60, 72, 73, 96, 97, 106, 108, 129, 144, 148, 153, 156, 166, 169, 176 177 त्र कुल 20 पद

विनयपत्रिका- निर्धारित पाठ : 73, 85, 87, 88, 90, 101, 102, 105, 111, 115, 121, 156, 162, 169, 172, 188, 198, 275, 277, 279 त्र कुल 20 पद

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	:	गोस्वामी तुलसीदास
माताप्रसाद गुप्त	:	तुलसीदास
विश्वनाथ प्रसाद मिश्र	:	तुलसी की साधना
कामिल बुल्के	:	रामकथा
राजपति दीक्षित	:	तुलसीदास और उनका युग
रमेश कुंतल मेघ	:	तुलसी : आधुनिक वातायन से
विश्वनाथ त्रिपाठी	:	लोकवादी तुलसीदास
युगेश्वर	:	तुलसीदास : आज के संदर्भ में
योगेन्द्र प्रताप सिंह	:	मानस के रचना शिल्प का विश्लेषण
उदयभानु सिंह	:	तुलसी दर्शन मीमांसा
उदयभानु सिंह	:	तुलसी काव्य मीमांसा
विष्णुकान्त शास्त्री	:	तुलसी के हिय हेरि
नगेन्द्र	:	तुलसीदास : हिज माइण्ड एंड आर्ट
रामविलास शर्मा	:	भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास

पत्रिकाएं :

वाक् का तुलसी विशेषांक (प्रवेशांक), बहुवचन, हंस

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

केशवदास

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 555

इकाई-1

रीतिकाल और केशवदास

- रीतिकालीन परिस्थितियां एवं परिवेश
- केशव का व्यक्तित्व और रचनाएं
- केशव के दार्शनिक सिद्धांत
- केशव का आचार्यत्व
- रामकाव्य परम्परा में केशव का स्थान

इकाई-2

केशव की काव्य कला और रीतिकाल में स्थान

- केशव की भाव व्यंजना
- केशव की संवाद कला
- केशव का प्रकृति चित्रण
- केशव की अलंकार योजना
- केशव की कला और रीतिकाल में स्थान

इकाई-3

केशव की काव्य भाषा और छन्द योजना

- केशव की भाषा
- केशव की छन्द योजना

इकाई-4

रामचंद्रिका में महाकाव्यत्व

- टीकाएं और टीकाकार
- केशव के काव्य में युगीन चित्रण
- केशव का हिन्दी साहित्य में स्थान

इकाई-5

रामचन्द्रिका : व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ

गणेश वंदना, सरस्वती वंदना, राम वंदना, अयोध्यापुरी का वर्णन, सीता-स्वयंवर, सूर्योदय वर्णन, विश्वामित्र और जनक की भेट, धनुष भंग, परशुराम संवाद, राम वन गमन, पंचवटी वर्णन, वन विलास वर्णन, सीता हरण, सीता-विलाप, वर्षा वर्णन, शरद वर्णन, हनुमान लंका गमन, रावण प्रसाद, सीता दर्शन, रावण-सीता संवाद, मुद्रिका प्रदन, सीता-हनुमान संवाद, मुद्रिका वर्णन, हनुमान रावण संवाद, लंका दाह, हनुमान राम के समक्ष, सीता संदेश, तिथि प्रयान, मंदोदरी का हितोपदेश, विभीषण का शरणागमन, रावण अंगद-संवाद, राम-रावण युद्ध, रावण-वध, सीता की अग्निपरीक्षा, रामराज्य वर्णन

संदर्भ पुस्तकें

आनंद प्रसाद दीक्षित	:	केशवदास (मूल्यांकन और पाठ संग्रह) तथा आचार्य विश्वप्रकाश दीक्षित
डॉ0 नगेन्द्र	:	रीतिकाव्य की भूमिका
डॉ0 विजयपाल सिंह	:	केशव की काव्य कला
डॉ0 विजयपाल सिंह	:	केशवदास

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

जयशंकर प्रसाद

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 556

इकाई-1

प्रसाद का जीवन वृत्त एवं रचना संसार

- प्रसाद का जीवन वृत्त
- प्रसाद साहित्य का संक्षिप्त परिचय
- प्रसाद की जीवन दृष्टि और भारतीय दर्शन

इकाई-2

छायावादी काव्यांदोलन और जयशंकर प्रसाद

- प्रसाद का काव्य ('कामायनी' और 'आंसू' का विशेष अध्ययन)
- कामायनी से निर्धारित पाठ : काम, लज्जा एवं आनन्द सर्ग
- आंसू का संपूर्ण पाठ

इकाई-3

प्रसाद का नाट्य लेखन और रंगदर्शन

- प्रसाद के नाटक ('स्कन्दगुप्त' एवं 'चन्द्रगुप्त' का विशेष अध्ययन)

इकाई-4

प्रसाद का कथा एवं कथेतर साहित्य

- प्रसाद का कथा साहित्य एवं निबन्ध ('कंकाल' तथा 'काव्यकला और अन्य निबन्ध' का विशेष अध्ययन)
- कहानी- आकाशदीप, मधुवा, गुंडा
- छायावाद आधुनिक साहित्य और प्रसाद

इकाई-5

प्रसाद का आलोचनात्मक गद्य

- काव्य और कला, रहस्यवाद, यथार्थवाद और छायावाद सम्बन्धी प्रसाद के विचार
- प्रसाद की रंगमंच सम्बन्धी मान्यताएं
- प्रसाद की अन्य आलोचनाएं

संदर्भ पुस्तकें

नन्ददुलारे वाजपेयी	:	जयशंकर प्रसाद
मुक्तिबोध	:	कामायनी : एक पुनर्विचार
नगेन्द्र	:	कामायनी के अध्ययन की समस्या
प्रेमशंकर	:	प्रसाद का काव्य
सिद्धनाथ कुमार	:	प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन
रामलाल सिंह	:	कामायनी - अनुशीलन
वेदज्ञ आर्य	:	कामायनी की पारिभाषिक शब्दावली
गोविन्द चातक	:	प्रसाद के नाटकों का स्वरूप और संरचना
गिरीश रस्तोगी एवं जगदीश प्रसाद श्रीवास्तव	:	प्रसाद का कथा साहित्य
गिरिजा राय	:	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
अनूप कुमार	:	प्रसाद की रचनाओं में संस्करणगत परिवर्तनों का अध्ययन
सूर्यप्रसाद दीक्षित	:	प्रसाद का गद्य
कृपाशंकर पाण्डेय	:	छायावाद की खड़ीबोली और प्रसाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता

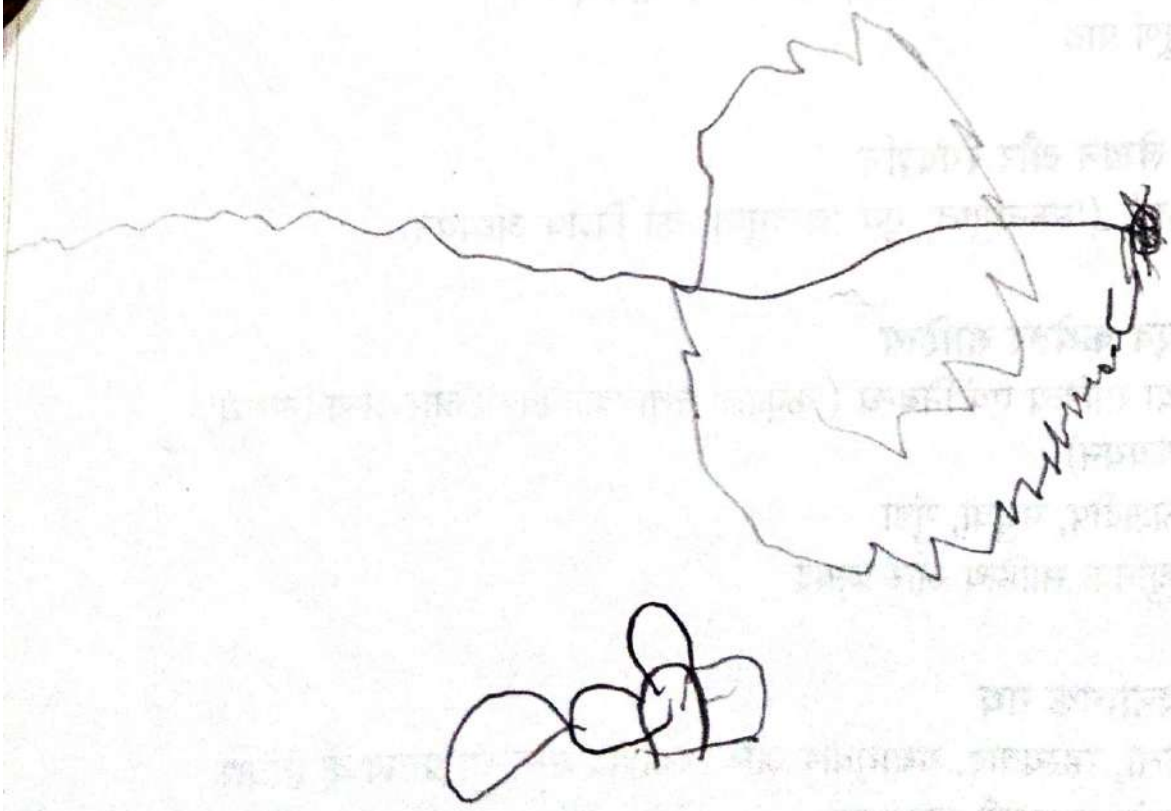

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

'निराला'

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 557

इकाई-1

- निराला का जीवन वृत्त एवं युग संदर्भ
- निराला साहित्य का परिचय
- छायावादी काव्य और निराला
- निराला काव्य की विकास यात्रा : छायावादी काव्य चेतना, छायावाद से प्रगतिवाद की ओर, प्रपत्तिभाव की कविताएं।
- निराला की कविताओं में स्वाधीन भारत का बिम्ब

इकाई-2

- नवजागरण और निराला का इतिहास
- निराला के काव्य में मिथकों का पुनर्पाठ
- निराला की विद्रोही व क्रांतिकारी चेतना
- मनुष्य की मुक्ति से लेकर कविता की मुक्ति तक : निराला के काव्य में मुक्तिकामी चेतना
- निराला की कविताओं में अध्यात्म और वेदान्त

इकाई-3

- निराला का समकालीनता-बोध
- समकालीन प्रश्नों के बीच निराला का साहित्य : एक मूल्यांकन
- निराला की काव्य-संवेदना, शिल्प और भाषा
- निराला की सांस्कृतिक चेतना
- निर्धारित कविताएँ (व्याख्या एवं मूल्यांकन हेतु)
  जुही की कली, आवाहन, बादल राग (1, 5 और 6), मौन, प्रिया के प्रति, वर दे वीणावादिनी, नयनों के डोरे लाल गुलाब भरे, प्रिय यामिनी जागी, जला दे जीर्ण-शीर्ण प्राचीन, तुलसीदास, शिवाजी के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता, गहन है यह अंधकारा, संत कवि रविदास जी के प्रति, मरण को जिसने वरा है, जल्द-जल्द पैर बढ़ाओ, राजे ने अपनी रखवाली की, मंहगू महंगा रहा, शिशिर की शर्वरी, आशा-आशा मरे, निविड़ विपिन पथ अराल, मरा हूँ हजार मरण, गीत गाने दो मुझे, सुख का दिन डूबे डूब जाय, ऊँट-बैल का साथ हुआ है, मानव जहाँ बैल-घोड़ा है, पत्रोत्कंठित जीवन का विष बुझा हुआ है।

निर्धारित पुस्तक- निराला-संचयन, (संपा0) विवेक निराला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

इकाई-4

- निराला का गद्य : जीवन-संग्राम का आख्यान
- निराला का कथा साहित्य : हाशिए के समाज की कथा
- निराला के उपन्यास : जीवन-चरित के आख्यान
- निराला की कथा भाषा
- निराला के कथा-साहित्य में दलित और स्त्री-प्रश्न

निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु)

(क) कहानियां- देवी, ज्योतिर्मयी, चतुरी चमार, राजा साहब को ठेंगा दिखाया ('निराला संचयन' में संकलित)

(ख) उपन्यास- निरूपमा, कुल्ली भाट (राजकमल प्रकाशन से प्रकाशित)

इकाई-5

- छायावादी कवियों का आलोचनात्मक/वैचारिक गद्य
- निराला की आलोचना-दृष्टि : कविता की बहसें, सामाजिक-सांस्कृतिक प्रश्नों पर निराला का वैचारिक लेखन
- निराला के आलोचनात्मक लेखन में कला और विचारधारा
- निराला के आलोचनात्मक प्रतिमान
- निर्धारित लेख (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु)

कवि और कविता, साहित्य की समतल भूमि, मेरे गीत और कला, परिमल की भूमिका, मुसलमान और हिंदू कवियों में विचार-साम्य, बाहरी स्वाधीनता और स्त्रियां। ('निराला संचयन' में संकलित)

संदर्भ पुस्तकें

रामविलास शर्मा	:	निराला की साहित्य-साधना (खण्ड-3)
नंददुलारे वाजपयी	:	कवि निराला
बच्चन सिंह	:	निराला का काव्य : औपनिवेशिक और उत्तर औपनिवेशिक समय
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नंदकिशोर नवल	:	निराला की छवियां
नंदकिशोर नवल	:	निराला : कृति से साक्षात्कार
भवदेव पाण्डेय	:	एवम् निराला
तरुण कुमार	:	निराला की विचारधारा और विवेकानंद
संध्या सिंह	:	निराला के काव्य का राजनीतिक संदर्भ
राजेन्द्र कुमार (संपा0)	:	स्वाधीनता की अवधारणा और निराला
ए0 अरविंदाक्षण (संपा0)	:	निराला : एक पुनर्मूल्यांकन
धनंजय वर्मा	:	निराला काव्य का पुनर्मूल्यांकन
रेखा खरे	:	निराला की कविताएं और काव्यभाषा
शशिकला राय	:	समय के साक्षी : निराला
विवेक निराला	:	निराला साहित्य में प्रतिरोध के स्वर
संतोष भदौरिया	:	हिन्दी की लम्बी कविता का कद

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

'अज्ञेय'

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 558

इकाई-1

- अज्ञेय : जीवन वृत्त
- अज्ञेय की रचना यात्रा : कविता, उपन्यास, कहानी, नाटक, यात्रावृत्त, संस्मरण, ललित निबंध, आलोचना एवं संपादन
- अज्ञेय साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : बौद्ध दर्शन, अस्तित्ववाद, आधुनिकतावाद, मनोविश्लेषणवाद, टी0एस0 इलियट के साहित्य सिद्धान्त, नवरहस्यवाद एवं अन्य प्रभाव

इकाई-2

- अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : व्यक्तित्व व सृजनात्मकता, रचना प्रक्रिया, भाषा व सप्रेषण की समस्या, भाषा और अनुभूति का अद्वैत, मौन विभाजन।
- अज्ञेय की सभ्यता समीक्षा : रचना और जीवन दृष्टि, मनुष्य प्रकृति और यंत्र, व्यक्ति, परम्परा राजसत्ता और समाज, व्यक्ति-स्वातंत्र्य के अर्थ, प्रेम और मृत्यु, प्रेम और स्वाधीनता।
- ललित निबंध : शब्द, मौन, अस्तित्व, सावन किस रुत आयेगा।

इकाई-3

- अज्ञेय और 'नई कविता'
- अज्ञेय की आलोचना दृष्टि
- आलोचनात्मक लेख : 'तारसप्तक' की भूमिका, सर्जना के क्षण।

इकाई-4

- उपन्यास का नया विधान
- कथा शिल्प के नए प्रयोग और अज्ञेय
- कथा साहित्य : व्याख्या के लिए निर्धारित पाठ, अपने-अपने अजनबी (उपन्यास), कोठरी की बात (कहानी)

इकाई-5

- व्याख्या हेतु निर्धारित कविताएं :
  शिशिर के प्रति (भग्नदूत), हरी घास पर क्षण भर, देखती है दीठ (हरी घास पर क्षण भर), कलगी बाजरे की, नदी के द्वीप, बावरा अहेरी (शरणार्थी), यह मुकुट तुम्हारा, असाध्य वीणा, द्वितीया।

संदर्भ पुस्तकें :

शम्भुनाथ	:	मिथक और आधुनिक कविता
रामदरश मिश्र	:	आधुनिक हिन्दी कविता : सर्जनात्मक सन्दर्भ
शम्भुनाथ	:	कवि की नई दुनिया
प्रणय कृष्ण	:	अज्ञेय का काव्य प्रेम : प्रेम और मृत्यु
संजय कुमार	:	अज्ञेय : प्रकृति काव्य और काव्य प्रकृति
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या
ओम थानवी (संपा0)	:	अपने अपने अज्ञेय, भाग-1 एवं 2
विनोद कुमार मंगलम	:	अज्ञेय और पाश्चात्य साहित्यकारों का तुलनात्मक अध्ययन
प्रयाग पथ (पत्रिका)	:	अज्ञेय विशेषांक

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

मुक्तिबोध

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 559

इकाई-1

- मुक्तिबोध- जीवन वृत्त और रचनात्मक संघर्ष
- नयी कविता आन्दोलन और मुक्तिबोध
- मुक्तिबोध : कला और विचारधारा का द्वन्द्व

इकाई-2

- यथार्थ और फैण्टेसी : मुक्तिबोध के काव्य की रचना प्रक्रिया
- मुक्तिबोध की काव्यानुभूति की बनावट

इकाई-3

- मुक्तिबोध की लम्बी कविताएं : जटिल यथार्थ की समग्र अभिव्यक्ति/निर्धारित पाठः

क. कविताएं- पूंजीवादी समाज के प्रति, लाल सलाम, भूरी-भूरी खाक धूल, जड़ीभूत ढांचों से लड़ेंगे, अंतःकरण का आयतन, चकमक चिनगारियां, चांद का मुंह टेढ़ा है, ब्रह्मराक्षस, अंधेरे में, लकड़ी का रावण, भूल गलती, एक आत्म वक्तव्य, चम्बल की घाटी में।

इकाई-4

निर्धारित पाठ :

ख. कहानियां- ब्रह्मराक्षस का शिष्य, क्लाड इथरली, विपात्र (लम्बी कहानी)।

इकाई-5

निर्धारित पाठ :

ग. आलोचनात्मक लेख/निबंध- साहित्यिक की डायरी, नयी कविता का आत्म संघर्ष, समाज और साहित्य, मार्क्सवादी साहित्य का सौन्दर्य पक्ष, वस्तु और रूप (1 से 4 तक)

संदर्भ पुस्तकें :

अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की रचना प्रक्रिया
डॉ0 रामविलास शर्मा	:	नयी कविता और अस्तित्ववाद
नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
चंचल चौहान	:	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब
नंदकिशोर नवल	:	मुक्तिबोध : कवि छवि
कृष्ण मोहन	:	मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष
राखी राय हाल्दार	:	आधुनिकता की भाषा और मुक्तिबोध

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

भारतेन्दु हरिश्चंद्र

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 560

इकाई-1

- भारतेन्दु हरिश्चन्द्र : जीवन वृत्त और व्यक्तित्व
- आधुनिक हिन्दी गद्य साहित्य के प्रवर्तक भारतेन्दु
- हिन्दी नवजागरण और भारतेन्दु
- हिन्द भाषा की उन्नति में भारतेंदु का योगदान
- हिन्दी-उर्दू विवाद और भारतेन्दु का पक्ष
- समाज सुधार आन्दोलन और भारतेन्दु
- भारतेंदु मंडल और उसकी विशेषताएं

इकाई-2

- भारतेन्दु का काव्य और उसकी प्रवृत्तियाँ (ब्रजभाषा काव्य, खड़ी बोली और उर्दू कवितायें)
- व्याख्या के निर्धारित पाठ (अ) कार्तिक स्नान (आ) प्रेम सरोवर (इ) फूलों का गुच्छा (ई) बसंत होली (उ) बन्दर सभा (ऊ) नए जमाने की मुकरी (ए) स्फुट रचना (ग़ज़ल-1) फिर आई फसले गुल फिर ज़ख्मदह रह रह के पकाते हैं

इकाई-3

- नाटककार भारतेन्दु
- हिन्दी रंगमंच के प्रवर्तन में भारतेन्दु की भूमिका
- भारतेन्दु के मौलिक और अनूदित नाटकों का संक्षिप्त परिचय
- निर्धारित पाठ- (अ) वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति (प्रहसन) (आ) अंधेर नगरी (नाटक)

इकाई-4

- निबंधकार और पत्रकार भारतेन्दु
- भारतेन्दु द्वारा प्रवर्तित पत्र-पत्रिकाएं : कविवचन सुधा, हरिश्चंद्र चंद्रिका और बाला बोधिनी

- भारतेन्दु के कुछ प्रमुख निबंध और व्याख्यान : निर्धारित पाठ (अ) स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन (आ) भारतवर्ष की उन्नति कैसे हो सकती है ? (इ) नाटक, (ई) जातीय संगीत

इकाई-5

- भारतेन्दु की ऐतिहासिक रचनाएं और पुरावृत्त संग्रह : एक परिचय
- भारतेंदु प्रणीत जीवन-चरित- विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ- (अ) श्री शंकगचार्य (आ) महाकवि श्री जयदेव जी (इ) बीबी फातिमा
- भारतेन्दु के यात्रा-वृत्तान्त विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) वैद्यनाथ की यात्रा
- भारतेन्दु का आत्म-वृत्त- एक कहानी कुछ आप बीती कुछ जगबीती
- भारतेन्दु लिखित सम्पादकीय- विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) हिंदी कविता (10 जनवरी 1872 के साप्ताहिक कविवचन सुधा का सम्पादकीय लेख)
- भारतेंदु के दस्तावेज- विशेष अध्ययन के लिए निर्धारित पाठ (अ) एजुकेशन कमीशन एविडेंस ऑफ बाबू हरिश्चन्द्र

संदर्भ पुस्तकें :

भारतेन्दु समग्र, सम्पादक- हेमंत शर्मा, हिन्दी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएं- रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन

भारतेंदु के विचार : एक पुनर्विचार- चंद्रभानु सीताराम सोनवणे

हरिश्चंद्र : भारतभूषण भारतेंदु बाबू हरिश्चंद्र का जीवन चरित- शिवानन्द सहाय, हिंदी समिति

The Nationalization of Hindu Traditions : Bharatendu Harischandra and Nineteenth-century Banaras- Vasudha Dalmia, Oxford University Press.

हिन्दी गद्य : विकास और विन्यास- रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन

Culture and Power in Banaras : Community, Performance and Environment-1800-1980- Editor-Sandriya B. Frietag, University of California Press

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

प्रेमचंद

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 561

इकाई-1

- प्रेमचंद की जीवनी और रचनाएं
- प्रेमचन्द की विचारधारा, जीवन-दर्शन

इकाई-2

- प्रेमचंद के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : रंगभूमि

इकाई-3

- प्रेमचंद के उपन्यासों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या : कर्मभूमि

इकाई-4

- प्रेमचंद की कहानियों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

  क. पंच परमेश्वर, पूस की रात, स्वत्वरक्षा, ब्रह्म का स्वांग और मनोवृत्ति

  ख. ठाकुर का कुआं, सद्गति, दूध का दाम और कफ़न

इकाई-5

- प्रेमचंद के निबन्धों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या
- पुराना जमाना नया जमाना, साहित्य का उद्देश्य
- साम्प्रदायिकता और संस्कृति, महाजनी सभ्यता

संदर्भ पुस्तकें :

जैनेन्द्र कुमार	:	प्रेमचंद : एक कृति व्यक्तित्व
नन्ददुलारे वाजपेयी	:	प्रेमचंद : साहित्यिक विवेचना
अमृतराय	:	कलम का सिपाही
अमृतराय	:	प्रेमचंद की प्रासंगिकता
शिवरानी देवी	:	प्रेमचंद : घर में
रामविलासार्मा	:	प्रेमचंद और उनका युग
कल्याणमल लोढ़ा	:	प्रेमचंद परिचर्चा
राजेश्वर गुरु	:	गोदान
इन्द्रनाथ मदान	:	गोदान

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी	:	प्रेमचंद
शैलेश जैदी	:	प्रेमचंद की उपन्यास यात्रा : नव मूल्यांकन
शैलेश जैदी	:	गोदान : एक नव्य दृष्टि
कमलकिशोर गोयनका	:	प्रेमचंद साहित्यकोष
कमलकिशोर गोयनका	:	प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प विधान
कमलकिशोर गोयनका	:	प्रेमचंद की कहानियों का कालक्रमानुसार अध्ययन
सदानंद शाही	:	दलित साहित्य की अवधारणा और प्रेमचंद
नन्दकिशोर नवल	:	प्रेमचंद का सौन्दर्यशास्त्र
रामवक्ष	:	प्रेमचंद और भारतीय किसान
कमल कोठारी, जियपाल सिंह	:	प्रेमचंद के पात्र
मदन गोपाल	:	क़लम का मजदूर
शम्भुनाथ	:	प्रेमचंद : एक पुनर्मूल्यांकन
आलोक राय, मुश्ताक अली	:	समक्ष प्रेमचंद
धर्मवीर	:	प्रेमचंद की नीली आंखें
धर्मवीर	:	प्रेमचंद : सामंत का मुंशी

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

12वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

(कवि/लेखक का विशेष अध्ययन)

रामचन्द्र शुक्ल

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 562

इकाई-1

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल : जीवन वृत्त एवं रचना-कर्म
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल से पूर्व हिंदी आलोचना, निबंध एवं हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की स्थिति

इकाई-2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के काव्य सिद्धांत
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का रस-सिद्धान्त
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और आई0ए0 रिचड्र्स के काव्य सिद्धान्तों की तुलना
- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और परवर्ती हिंदी आलोचना

इकाई-3

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी निबंध

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल के निबंधों का आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या

क. भाव या मनोविकास संबंधी निबंध : भाव या मनोविकार, उत्साह, लोभ और प्रीति, क्रोध

ख. आलोचनात्मक निबंध : काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था, साधारणीकरण, व्यक्ति-वैचित्र्यवाद, काव्य में रहस्यवाद, रसात्मक बोध के विविध रूप

इकाई-4

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी साहित्येतिहास-लेखन

- इतिहास-दृष्टि एवं साहित्येतिहास दृष्टि का अंतर
- हिंदी साहित्य का इतिहास लेखन और आचार्य शुक्ल की इतिहास दृष्टि
- शुक्लोत्तर इतिहास लेखन और आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- आचार्य शुक्ल की इतिहास-दृष्टि की प्रासंगिकता

इकाई-5

- आचार्य शुक्ल का स्फुट लेखन

- आचार्य शुक्ल का काव्य सृजन
- आचार्य शुक्ल का कहानी-लेखन
- आचार्य शुक्ल का संस्मरणात्मक लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

चंद्रशेखर शुक्ल	:	रामचन्द्र शुक्ल : जीवन और कृतित्व
रामविलास शर्मा	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
रामचन्द्र शुक्ल	:	चिन्तामणि, भाग 1, भाग 2 और भाग 3-4
रामचन्द्र शुक्ल	:	विश्व प्रपंच
रामचन्द्र शुक्ल	:	हिंदी साहित्य का इतिहास
नलिन विलोचन शर्मा	:	साहित्य का इतिहास-दर्शन
नामवर सिंह	:	इतिहास और आलोचना
गुलाब राय, विजयेंद्र स्नातक	:	रामचन्द्र शुक्ल
नीलकांत	:	रामचन्द्र शुक्ल
रामचन्द्र शुक्ल	:	रस-मीमांसा
रामचन्द्र शुक्ल	:	जायसी ग्रन्थावली
रामचन्द्र शुक्ल	:	तुलसीदास
रामचन्द्र शुक्ल	:	सूरदास

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

13वाँ प्रश्न पत्र : (वैकल्पिक)

हिन्दी पत्रकारिता

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 563

इकाई-1

- पत्रकारिता की अवधारणा और उसके विविध रूप, हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास : हिन्दी पत्रकारिता, स्वतंत्रता आन्दोलन और प्रतिबन्धन का इतिहास

इकाई-2

- समाचार निर्माण : समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार-संकलन तथा लेखन; शीर्षकीकरण, आमुख और समाचार प्रस्तुति, कैप्शन, प्रूफ संशोधन, ले आउट एवं पृष्ठ सज्जा, समाचार पत्रों में विभिन्न स्तंभों की योजना।

इकाई-3

- सम्पादकीय विभाग और उसके कर्तव्य : संवाददाता की अर्हता, उनकी श्रेणियां एवं कार्य पद्धति

इकाई-4

- पत्रकारिता से सम्बंधित लेखन प्रविधियां- सम्पादकीय, फीचर, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन, विज्ञापन लेखन आदि की प्रविधि
- इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता- रेडियो, टी.वी. और इण्टरनेट की पत्रकारिता

इकाई-5

- भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार, सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार, प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून तथा आचार संहिता, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

संदर्भ पुस्तकें :

अर्जुन तिवारी	:	हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास
असगर वजाहत, प्रभात रंजन	:	टेलीविजन लेखन
ओमकार चौधरी	:	खोजी पत्रकारिता
कृष्ण बिहारी मिश्र	:	हिन्दी पत्रकारिता
कमल दीक्षित, महेश दर्पण	:	समाचार संपादन
के0पी0 वेनराईट	:	जर्नलिज्म
डी0डी0 ओझा	:	दूरसंचार और सूचना प्रौद्योगिकी
नन्दकिशोर त्रिखा	:	समाचार संकलन और लेखन
नन्दकिशोर त्रिखा	:	भेंटवार्ता और प्रेस कांफ्रेंस
मुश्ताक़ अली	:	व्यावहारिक पत्रकारिता
संतोष भदौरिया	:	शब्द प्रतिबन्ध, मेधा बुक्स, नई दिल्ली

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

13वाँ प्रश्न पत्र : (वैकल्पिक)

प्रयोजनमूलक हिन्दी

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 664

इकाई-1

- प्रयोजन मूलक हिंदी : अभिप्राय और परिव्याप्ति
- प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ : प्रयोजनमूलक हिंदी, बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर, प्रयोजनमूलक हिंदी के नामकरण की समस्या, प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप, प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा से उसके सम्बन्ध
- ई-लेखन के विविध आयाम- देवनागरी फाण्ट, यूनीकोड, राजभाषा-साफ्टवेयर

इकाई-2

प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक स्वरूप :

- टिप्पणी : स्वरूप एवं प्रकार
- संक्षेपण : अर्थ एवं प्रक्रिया
- प्रतिवेदन : अर्थ एवं विशेषताएं
- प्रारूपण : महत्व और विशेषताएं
- कार्यालयी पत्र के प्रकार- सरकारी (शासकीय पत्र), अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालयी आदेश, कार्यालयी ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति एवं परिपत्र

इकाई-3

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका प्रयोग

- कार्यालयी हिन्दी : अर्थ एवं प्रकृति
- कार्यालयी हिन्दी : बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर
- कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएं
- कार्यालयी हिन्दी की निर्माण प्रक्रिया
- कार्यालयी हिन्दी की उपयोगिता एवं उसका महत्व

इकाई-4

- पारिभाषिक शब्दावली : सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय
- पारिभाषिक शब्दावली : अभिप्राय और वर्गीकरण
- पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत
- पारिभाषिक शब्दावली : अनुवाद की समस्याएं

- प्रशासन और विधि संबंधी शब्दावली
- वाणिज्य संबंधी शब्दावली (बैंक, बीमा)

इकाई-5

- अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार
- अनुवाद : अवधारणा और प्रक्रिया
- हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
- कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद
- विज्ञापन में अनुवाद
- वाणिज्य में अनुवाद

संदर्भ पुस्तकें :

रामप्रकाश, दिनेश गुप्त	:	प्रयोजन मूलक हिंदी : संरचना और सिद्धान्त
दंगल झाल्टे	:	प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग
मुश्ताक अली	:	प्रयोजनमूलक हिन्दी
कैलाश चंद्र भाटिया	:	कामकाजी हिंदी
कैलाश चंद्र भाटिया	:	प्रशासन में राजभाषा हिन्दी
हरिमोहन	:	प्रशासनिक हिन्दी : टिप्पणी, प्रारूपण
कृष्ण कुमार गोस्वामी	:	व्यावहारिक हिंदी और रचना
सूरजभान सिंह	:	हिंदी भाषा : संदर्भ और संरचना
कुसुम अग्रवाल	:	भाषा शिल्प
वी0आर0 जगन्नाथन	:	हिन्दी प्रभाग और प्रयोग
रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव	:	भाषाई अस्मिता और हिन्दी
प्रकाशन विभाग दिल्ली	:	राजभाषा हिन्दी

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

13वाँ प्रश्न पत्र : वैकल्पिक

भारतीय प्रवासी एवं विस्थापित समाज (डायस्पोरा) का साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 565

इकाई-1

भारतीय डायस्पोरा का ऐतिहासिक परिचय

व्यापार नेटवर्क, स्वतंत्र प्रवासन, सिद्धदोष प्रवासन,
अनुबंधित श्रमिक-गिरमिटिया, कंगनी और मैस्त्री
स्वातंत्र्योत्तर काल में प्रवासन

इकाई-2

भाषा अनुरक्षण, भारतीय बोली समूह का क्रिओल, पिजिन तथा कोईन बनावट का प्रभाव, ओ0बी0एच0, (समुद्रपारीय भोजपुरी हिंदी) सरनामी, कलकतिया बात, नाताली हिंदी, पुरनिया हिंदी, फिजी हिंदी, त्रिनिदाद भोजपुरी का परिचय, भारतीय डायस्पोरा में हिंदी भाषा।

इकाई-3

लोक साहित्य, कविता, कहानी एवं उपन्यास
गिरमिटिया विमर्श, स्त्री विमर्श

इकाई-4

डायस्पोरा पर भारतीय लेखक
भारतीय मूल के लेखक
- क. सूरीनाम, फिजी एवं मारीशस
- ख. यूरोप एवं अमेरिकी

गैर-भारतीय लेखकों द्वारा सृजित भारतीय डायस्पोरा साहित्य

इकाई-5

पाठ आधारित समझ (हिंदी डायस्पोरा लेखक)

क. फिजी द्वीप में मेरे इक्कीस वर्ष- तोताराम सनाढ्य
ख. लाल पसीना : अभिमन्यु अनत
ग. डउका पुरान : सुब्रमनी
घ. पूछो इस माटी से : रामदेव धुरंधर
ङ कमला प्रसाद शर्मा का लेखन

संदर्भ पुस्तकें :

- गौतम मोहनकांत (2015), कैरेबियन देशों में हिंदी भाषा और समाज, बहुवचन, अंक-46, जुलाई-सितंबर-2015
- अवस्थी, पुष्पिता (2014), सूरीनाम का सृजनात्मक साहित्य, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
- मिश्र, विजय (2007), द लिटरेचर ऑफ द इंडियन डायस्पोरा : थ्योराइजिंग द डायस्पोरिक इमेजनरी, रुले पब्लिशिंग
- सुब्रमनी (2001), डउका पुरान, स्टार पब्लिकेशंस, नई दिल्ली
- ह्यू टिंकर (1974), ए न्यू सिस्टम ऑफ स्लेवरी : द एक्सपोर्ट ऑफ इण्डियन लेबर ओवरसीज, 1830-1920
- तोराबुली, खल एवं मरीना कार्टर (2002), कुलीट्यूड : एन एंथालोजी ऑफ द इंडियन लेबर डायस्पोरा, एंथम प्रेस

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

14वाँ प्रश्न पत्र

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा (इतिहास और सिद्धांत)

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 522

इकाई-1

- भाषा विज्ञान की शाखाएँ
- ध्वनि विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण और विशेषताएं
- ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

इकाई-2

- रूप विज्ञान एवं शब्द विज्ञान
- अर्थ का तात्पर्य, अर्थ ग्रहण के आधार
- अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ

इकाई-3

- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का अति संक्षिप्त परिचय
- अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिन्दी की तुलनात्मक विशेषताएँ
- हिन्दी की उपभाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- अवधी, ब्रज, खड़ी बोली, भोजपुरी, कुमाउँनी, मारवाड़ी आदि हिन्दी बोलियों की संक्षिप्त विशेषताएँ

इकाई-4

- काव्य भाषा के रूप में अवधी, ब्रज, खड़ीबोली का विकास
- मानक हिन्दी का व्याकरण

इकाई-5

- देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास क्रम
- देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता एवं व्यावहारिकता

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	:	बुद्धचरित की भूमिका (चिन्तामणि भाग-3)
सुनीति कुमार चाटुर्ज्या	:	भारतीय आर्य भाषा और हिन्दी
दीप्ति शर्मा	:	व्याकरणिक कोटियों का विश्लेषणात्मक अध्ययन
धीरेन्द्र वर्मा	:	हिन्दी भाषा का इतिहास
उदयनारायण तिवारी	:	हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास

हरदेव बाहरी	:	हिन्दी भाषा : उद्‌भव, विकास और रूप
माताबदल जायसवाल	:	मानक हिन्दी का ऐतिहासिक व्याकरण
यमुना काचरू	:	हिन्दी का समसामयिक व्याकरण
रामकिशोर शर्मा	:	हिन्दी भाषा का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य
शैल पाण्डेय	:	हिन्दी क्रियाओं का भाषा वैज्ञानिक अध्ययन
आर्येन शर्मा	:	बेसिक ग्रामर ऑफ मार्डन हिन्दी
अनन्त चौधरी	:	हिन्दी व्याकरण का इतिहास
मलिक मुहम्मद	:	हिन्दी और उसकी उपभाषाएँ
विमलेश कान्त वर्मा	:	राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम
मीरा दीक्षित	:	हिन्दी भाषा
मीरा दीक्षित	:	भाषा विज्ञान के सिद्धान्त

एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

15वाँ प्रश्न पत्र

निबंध : साहित्यिक एवं साहित्येत्तर

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 523

इकाई-1

- निबंध क्या है ? भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण
- निबंध : उद्‌भव और विकास
- निबंध और अन्य गद्य विधाएं
- निबंध का विषय क्षेत्र : साहित्यिक एवं साहित्येतर
- निबंध की शैलीगत संरचना

इकाई-2

- हिन्दी के विभिन्न साहित्यिक आंदोलन, विचारधाराएं और साहित्य
- मानव मूल्य और साहित्य
- साहित्य और संस्कृति
- साहित्य की सार्वभौमिकता और हिन्दी साहित्य
- समकालीन सामाजिक अस्मिताएं और हिन्दी साहित्य

इकाई-3

- भारत की आंतरिक व बाहरी समस्याएं : पर्यावरण प्रदूषण, आतंकवाद, भ्रष्टाचार, साम्प्रदायिकता, सामाजिक एवं आर्थिक विषमता आदि।
- वैश्वीकरण और हिन्दी
- राष्ट्रभाषा और राजभाषा हिन्दी
- भारतीय संस्कृति और हिन्दी
- हिन्दी और आधुनिक जनसंचार माध्यम

इकाई-4

- मीडिया और समाज
- भारतीय राजनीति और लोकतंत्र
- भारतीय विविधता और राष्ट्रीय एकता
- भारत का वैज्ञानिक एवं तकनीकी विकास

इकाई-5

- सभ्यताओं के इतिहास में भारतीय सभ्यता
- भारतीय मीडिया और लोकतंत्र
- जैव विविधता का संरक्षण और भारतीय अर्थव्यवस्था
- अस्मिता की राजनीति और भारतीय लोकतंत्र

संदर्भ पुस्तकें :

हिन्दी के साहित्यिक निबंध- गणपति चंद्र गुप्त

इतिहास और राष्ट्रवाद- वैभव सिंह

राष्ट्रवाद बनाम देशभक्ति : इयत्ता की राजनीति और रवीन्द्रनाथ टैगोर- आशीष नंदी, अनुवाद- अभय कुमार दुबे

ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ- सुधा सिंह

पत्रिकाएं :

आलोचना, तद्भव, प्रतिमान, बहुवचन, पहल

एम.ए. (हिन्दी) चतुर्थ सत्र

क्र.सं.	प्रश्न पत्र	क्रेडिट	विषय	कोड
1	16वाँ	04	छायावादोत्तर काव्य (प्रगतिवाद से समकालीन तक) CHHAYAVADOTTAR KAVYA (PRAGATIVAD SE SAMKALIN TAK)	HIN-524
2	17 वाँ (वैकल्पिक)	04	प्राचीन काव्य (PRACHIN KAVYA)	HIN-571
		04	भक्तिकाव्य (BHAKTI KAVYA)	HIN-572
		04	रीतिकाव्य (RITI KAVYA)	HIN-573
		04	छायावादी काव्य (CHHAYAVADI KAVYA)	HIN-574
		04	समकालीन हिन्दी साहित्य (SAMKALIN HINDI SAHITYA)	HIN-575
		04	स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य (STRI VIMARSH AUR HINDI SAHITYA)	HIN-576
		04	दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य (DALIT VIMARSH AUR HINDI SAHITYA)	HIN-577
		04	आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य (ADIVASI VIMARSHS AUR HINDI SAHITYA)	HIN-578
3	18वाँ (वैकल्पिक)	04	हिन्दी आलोचना (HINDI ALOCHANA)	HIN-579
		04	साहित्य का समाजशास्त्र (SAHITYA KA SAMAJSHASTRA)	HIN-580
		04	विचारधारा और साहित्य (VICHARDHARA AUR SAHITYA)	HIN-581
4	19वाँ (वैकल्पिक)	04	हिन्दी और उर्दू साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR URDU SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-582
		04	हिन्दी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR BANGLA SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-583

		04	हिन्दी और तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR TELUGU SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-584
		04	हिन्दी और मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन (HINDI AUR MARATHI SAHITYA KA TULNATMAK ADHYAYAN)	HIN-585
5	20वाँ (वैकल्पिक)	04	अनुवाद : सिद्धांत और प्रक्रिया (ANUVAD : SIDDHANT AUR PRAKRIYA)	HIN-586
		04	सृजनात्मक लेखन (SRIJANATMAK LEKHAN)	HIN-587
5	दसवाँ	04	लोक साहित्य (LOK SAHITYA)	HIN-520

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

16वाँ प्रश्न पत्र

छायावादोत्तर काव्य (प्रयोगवाद से समकालीन तक)

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 524

इकाई-1

- छायावादोत्तर कविता : पृष्ठभूमि और परिदृश्य
- अज्ञेय और तारसप्तक
- अज्ञेय की काव्य-यात्रा
- असाध्यवीणा : व्याख्या और मूल्यांकन

इकाई-2

- नई कविता का आत्मसंघर्ष और मुक्तिबोध
- ब्रह्मराक्षस की व्याख्या और आलोचना

इकाई-3

- हिन्दी कविता का साठोत्तरी परिदृश्य और धूमिल
- पटकथा : व्याख्या और आलोचना

इकाई-4

- कुँवर नारायण का काव्य : व्याख्या और आलोचना
- निर्दिष्ट कविताएं : माध्यम, बीज, मिट्टी और खुली जलवायु, चक्रव्यूह, बसंत की एक लहर, नचिकेता, एक अजीब-सी मुश्किल, अमीर खुसरो, आजकल कबीरदास

इकाई-5

- विजयदेव नारायण साही : निर्दिष्ट कविताओं की व्याख्या और आलोचना- घाटी का आखिरी आदमी, अलविदा, अंधेरे गोलार्ध की रात, अस्पताल में, सत की परीक्षा, अब, प्रार्थना : गुरु कबीरदास के लिए, हवामहल
- केदारनाथ सिंह की कविताओं की व्याख्या और आलोचना : नीला पत्थर, आत्मचित्र, जमीन, आवाज, अकाल में सारस, बाघ, कुदाल, आजादी का स्वाद, घोसलों का इतिहास, टाल्सताय और साइकिल

संदर्भ पुस्तकें :

मुक्तिबोध	:	नई कविता का आत्मसंघर्ष तथा अन्य निबंध
अज्ञेय	:	तारसप्तक की भूमिका
चंचल चौहान	:	मुक्तिबोध के प्रतीक और बिम्ब

अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की समीक्षाई
अशोक चक्रधर	:	मुक्तिबोध की कविताई
नंदकिशोर नवल	:	आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास
शम्भुनाथ	:	कवि की नई दुनिया
पंकज चतुर्वेदी	:	जीने का उदात्त आशय, संदर्भ : कुँवर नारायण की कविता
पुरुषोत्तम अग्रवाल (संपा0)	:	कुँवर नारायण
शिवकुमार मिश्र	:	आधुनिक कविता और युग संदर्भ

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

प्राचीन काव्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 571

इकाई-1

- आदिकालीन परिवेश : राजनैतिक, सामाजिक, धार्मिक एवं साहित्यिक
- आदिकालीन साहित्य के विविध रूप एवं प्रवृत्तिया : जैन साहित्य, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य, ऐहिक श्रृंगारिक काव्य, स्फुट काव्य

इकाई-2

- जैन साहित्य में स्वयंभू का स्थान, स्वयंभू का जीवन परिचय एवं रचनाएं ('पउमचरिउ'- पचासवीं संधि : अध्ययन और आलोचना)

इकाई-3

- सिद्ध साहित्य में सरहपा का स्थान, सरहपा का जीवन परिचय एवं रचनाएं ('सरह'- दोहा कोश : आरम्भिक 30 दोहे : अध्ययन और आलोचना)
- रासो काव्य में बीसलदेव रासो का स्थान एवं महत्त्व, नरपति नाल्ह का जीवन परिचय और व्यक्तित्व ('बीसलदेव रास'- बारह मासा : अध्ययन और आलोचना)

इकाई-4

- ऐहिक श्रृंगारिक काव्य और संदेश रासक, अब्दुल रहमान का जीवन परिचय ('संदेश रासक'- द्वितीय प्रक्रम : अध्ययन और आलोचना)

इकाई-5

- नाथ संप्रदाय में गोरखनाथ का स्थान, जीवन परिचय ('गोरखबानी'- सबदी- आरम्भ से 10 दोहे : पद-48 से 58 तक)
- विद्यापति- जीवन परिचय और रचनाएं ('कीर्तिलता'- द्वितीय प्रक्रम : अध्ययन और आलोचना)

संदर्भ पुस्तकें :

हजारीप्रसाद द्विवेदी : आदिकाल

हजारीप्रसाद द्विवेदी : नाथ सम्प्रदाय

हरिवंश कोछड़ : अपभ्रंश साहित्य

रामकिशोर : अपभ्रंश मुक्तक काव्य और उसका हिन्दी पर प्रभाव

पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल (संपा.) : गोरखबानी

हजारीप्रसाद द्विवेदी एवं विश्वनाथ त्रिपाठी (संपा0) : संदेश रासक

शिव प्रसाद सिंह : कीर्तिलता और अवहट्ठ भाषा

द्विजराम यादव : ब्रजयानी सिद्ध सरहपा

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र : वैकल्पिक

भक्तिकाव्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 572

इकाई-1

- भक्ति आंदोलन की सामाजिक, धार्मिक, दार्शनिक तथा आध्यात्मिक पृष्ठभूमि
- निर्गुण एवं सगुण भक्ति धाराओं का विकास

इकाई-2

- भारतीय लोक जीवन और संत काव्य परम्परा
- प्रमुख संत कवियों की रचनाओं का सांस्कृतिक एवं साहित्यिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं-

  क. कबीर (कबीर ग्रन्थावली- संपा0 पारसनाथ तिवारी)

  पद संख्या- 8, 10, 29, 41, 50, 52, 54, 58, 62, 65, 78, 83, 91, 104, 106, 107, 109, 154, 166, 201 कुल पद 20।

  रमैनी- 2, 3, 7 कुल 3 रमैनियां।

  साखी- प्रेम विरह कौ अंग- कुल 55 साखी।

  ख. रैदास (परशुराम चतुर्वेदी संपादित संत काव्य संग्रह- में संग्रहीत समस्त 10 पद तथा 3 साखियां)

  ग. दादू दयाल (परशुराम चतुर्वेदी संपादित संत काव्य संग्रह- में संग्रहीत समस्त 10 पद तथा 50 साखियां)

इकाई-3

- भारतीय प्रेमाख्यानक काव्य
- संत और सूफी मत का वैचारिक अन्तःसंबंध
- निर्धारित रचनाएं :

  क. मुल्ला दाऊद- चंदायन (मैना संदेश निवेदन खण्ड)

  ख. कुतुबन- मृगावती (रुकमिनी संदेश निवेदन खंड, बारहमासा खंड)

  ग. जायसी- पद्मावत (नख शिख खण्ड)

इकाई-4

- वैष्णव आचार्य परंपरा और बल्लभाचार्य
- शुद्धाद्वैत दर्शन एवं पुष्टिमार्गीय भक्ति
- कृष्णकाव्य धारा का सांस्कृतिक तथा साहित्यिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं :

  क. सूरदास- (पांचवां संवाद) पद संख्या 117-145 सूरसागर सार- (संपा0) डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा

ख. नन्ददास- 'रासपंचाध्यायी' (पांचवां सर्ग)

ग. रसखान- आलोचनात्मक मूल्यांकन

इकाई-5

- रामभक्ति धारा : स्रोत एवं परम्परा
- रामभक्ति धारा के दार्शनिक एवं भक्तिपरक सिद्धान्त
- रामभक्ति धारा का साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मूल्यांकन
- निर्धारित रचनाएं :

  क. विनयपत्रिका- व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

  (पद संख्या- 85, 87, 88, 90, 95, 96, 103, 105, 111, 115, 124, 160, 162, 163, 168, 169, 174, 198, 234, 245, कुल पद 20)

  रामचरितमानस- आलोचनात्मक मूल्यांकन
- भक्तिकाव्य का समग्र मूल्यांकन
- परवर्ती साहित्य को भक्ति काव्य का अवदान

संदर्भ पुस्तकें :

रामचन्द्र शुक्ल	:	त्रिवेणी
नामवर सिंह	:	दूसरी परम्परा की खोज
प्रेमशंकर	:	भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	भक्तिकाव्य यात्रा
आशा गुप्ता	:	भक्ति सिद्धान्त
ब्रजेश्वर वर्मा	:	सूरदास
रामचंद्र तिवारी	:	कबीर मीमांसा
हजारीप्रसाद द्विवेदी	:	कबीर
रामचंद्र शुक्ल	:	तुलसीदास
विजयदेव नारायण साही	:	जायसी
शिवकुमार मिश्र	:	भक्तिकाव्य और लोकजीवन
रामचंद्र शुक्ल	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
अतहर अब्बास रिजवी	:	सूफीज्म इन इण्डिया
रामविलास शर्मा	:	भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास
अजय तिवारी (संपा0)	:	तुलसी का महत्त्व
रमेश कुंतल मेघ	:	तुलसी आधुनिक वातायन से
धर्मवीर	:	कबीर के आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर के कुछ और आलोचक
धर्मवीर	:	कबीर : खसम खुशी क्यों होय ?
कुँवरपाल सिंह (संपा0)	:	भक्ति आंदोलन और इतिहास और संस्कृति
सुधा सिंह (संपा0)	:	मध्यकालीन साहित्य विमर्श
कुंमकुम संगारी	:	मीराबाई और भक्ति की आध्यात्मिक अर्थनीति
गोपेश्वर सिंह	:	भक्ति आंदोलन और काव्य

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

रीतिकाव्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 573

इकाई-1

- रीतिकाल का काल निर्धारण
- रीति साहित्य का स्वरूप एवं व्याख्या/भक्ति, वीर, नीति एवं वैराग्य की दृष्टि से
- रीति साहित्य के भेद और प्रमुख कवि-

1. रीतिबद्ध 2. रीति सिद्ध 3. रीति मुक्त
4. रीति और भक्ति 5. रीति और नीति 6. रीति और वीर काव्य

इकाई-2

- रीति बद्ध कवियों का काव्यात्मक परिचय
- रीति सिद्ध कवियों का काव्यात्मक परिचय
- रीति मुक्त कवियों का काव्यात्मक परिचय
- प्रमुख कवियों की चुनी कविताओं की व्याख्या और आलोचना
  केशव, बिहारी, घनानन्द, मतिराम, सेनापति

इकाई-3

रीतिकालीन कवियों का आचार्यत्व

- अलंकार की मौलिक उद्‌भावना
- रस की मौलिक उद्‌भावना
- छन्द की मौलिक उद्‌भावना

इकाई-4

- नायक/नायिका भेद/नख शिख वर्णन
- कवि प्रसिद्धियाँ एवं काव्य रूढ़ियाँ
- रीतिकालीन कवियों की मौलिक देन

इकाई-5

- रीतिकालीन कविता का सामाजिक परिप्रेक्ष्य
- रीतिकालीन कविता का आर्थिक परिप्रेक्ष्य
- रीतिकालीन कविता का धार्मिक परिप्रेक्ष्य

- रीतिकाल और दरबार की कविता
- दरबारी रीतिकाव्य
- रीतिकाव्य संग्रह संपादक- विजयपाल सिंह (निर्धारित प्रत्येक कवि के आरंभिक दस पद)

संदर्भ पुस्तकें :

डॉ0 नगेन्द्र	:	रीतिकाव्य की भूमिका
प्रो0 रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	मध्यकालीन काव्यभाषा
डॉ0 हीरालाल दीक्षित	:	आचार्य केशवदास
डॉ0 विजयपाल सिंह	:	केशव का आचार्यतव
डॉ0 कृष्णशंकर शुक्ल	:	केशव की काव्यकला
डॉ0 हरिवंशलाल शर्मा	:	बिहारी और उनका साहित्य
जगन्नाथ दास रत्नाकर	:	कविवर बिहारी
रमेश कुंतल मेघ	:	आलोचिन्तना को होने दो- केन्द्र अपसारी
रमेश कुंतल मेघ	:	अबकी खातिर मुनासिब कार्यवाहियाँ
रामदेव शुक्ल	:	घनानन्द और उनका काव्य
त्रिवेणी दत्त शुक्ल	:	मतिराम की काव्यभाषा
पं0 उमाशंकर शुक्ल	:	कवित्त रत्नाकर
जयभगवान गोपाल	:	रीतिकाल का पुनर्मूल्यांकन
डॉ0 सत्यप्रकाश मिश्र	:	रीतिकाव्य प्रकृति एवं स्वरूप
डॉ0 भगवानदास तिवारी	:	रीतिकालीन हिन्दी वीर काव्य
डॉ0 बच्चन सिंह	:	रीतिकालीन कवियों की प्रेम व्यंजना
सुधीश पचौरी	:	रीतिकाल : सेक्सुअलिटी का उत्सव (रीतिकाल में फूको विचरण)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

छायावादी काव्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 574

इकाई-1

- छायावाद : अर्थ, प्रयोग और स्वरूप
- छायावाद : पुनर्जागरण की चेतना का सूक्ष्म स्वरूप
- छायावाद की सौन्दर्य चेतना

इकाई-2

- छायावाद : शक्ति काव्य
- छायावाद के आलोचक- नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, रामस्वरूप चतुर्वेदी, रमेश चन्द्र शाह, देवराज
- छायावाद के प्रमुख कवियों का आलोचनात्मक अध्ययन- प्रसाद, पंत, निराला, महादेवी वर्मा

इकाई-3

- छायावाद के महाकाव्य- 'कामायनी' और 'चित्रलेखा'
- प्रसाद- प्रसाद की रचनाएं, प्रसाद का जीवन दर्शन, समरसता और आनंदवाद
- निर्धारित रचनाएं- आंसू, लहर (बीती विभावरी जाग री, ले चल मुझे भुवाला देकर, पेशोला की प्रतिध्वनि, प्रलय की छाया)
- कामायनी : व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई-4

- निराला का जीवन वृत्त
- निराला की क्रांतिकारी चेतना
- मुक्त छंद और निराला
- निर्धारित रचनाएं- जुही की कली, जागो फिर एक बार (1, 2), तुलसीदास, सरोज स्मृति (राग विराल- संकलन- रामविलास शर्मा)

इकाई-5

- पंत का जीवन दर्शन
- पंत की काव्य यात्रा- प्रकृति चित्रण, प्रगतिवाद, मानवतावाद
- निर्धारित रचनाएं- प्रथम रश्मि, बादल, मौन निमंत्रण, निष्ठुर परिवर्तन, मानव (आधुनिक कवि - पंत- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग)

- महादेवी की कविता में रहस्यात्मक प्रवृत्ति, गीतितत्व
- निर्धारित रचनाएं- जो तुम आ जाते एक बार, विरह का जलजात जीवन, मैं नीर भरी दुःख की बदली, मधुर मधुर-मेरे दीपक जल (महादेवी संचयन : संपा0 निर्मला जैन)
- छायावाद युग का गद्य : आलोचनात्मक परिचय- तितली, काव्य कला और अन्य निबंध (प्रसाद)

चतुरी चमार, पंत और पल्लव, प्रबन्ध पद्म, प्रबंध प्रतिमा (निराला)

छायावाद : पुनर्मूल्यांकन (पंत)

शृंखला की कड़िया (महादेवी)

संदर्भ पुस्तकें

नामवर सिंह	:	छायावाद
रमेशचंद्र शाह	:	छायावाद : पुनर्मूल्यांकन
देवराज	:	छायावाद : उत्थान, पतन, पुनर्मूल्यांकन
रघुवंश	:	साहित्य का नया परिप्रेक्ष्य
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	हिंदी कविता यात्रा : रत्नाकर से रघुवीर सहाय तक
नंददुलारे वाजपेयी	:	जयशंकर प्रसाद
गजानन माधव मुक्तिबोध	:	कामायनी : एक पुनर्विचार
रामस्वरूप चतुर्वेदी	:	कामायनी का पुनर्मूल्यांकन
गिरिजा राय	:	कामायनी की आलोचना प्रक्रिया
रामविलास शर्मा	:	निराला की साहित्य साधना, तीन-खण्ड
दूधनाथ सिंह	:	निराला : आत्महंता आस्था
नगेन्द्र	:	सुमित्रानन्दन पंत
शांतिप्रिय द्विवेदी	:	ज्योति विहग
परमानन्द श्रीवास्तव (संपा0)	:	महादेवी
दूधनाथ सिंह	:	महादेवी
गोपाल प्रधान	:	छायावाद युगीन साहित्यिक विवाद
प्रभाकर श्रोत्रिय	:	जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

समकालीन हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 575

इकाई-1

- समकालीन : अर्थ, प्रसार, परिवेश और संदर्भ

क. 'समकालीन' का अर्थ, प्रसार, परिवेश और संदर्भ

ख. आधुनिकता और समकालीनता

ग. स्वातंत्रता का मूल्यबोध

घ. स्वतंत्र्योत्तर भारत में हिंदी प्रदेश की राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक सक्रियताएं और हिन्दी साहित्य पर पड़ने वाले प्रभाव

- समकालीन कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ
- समकालीन कविता और रघुवीर सहाय
- समकालीन कविता और धूमिल

निर्धारित रचनाएं/रचनाकार : व्याख्या और आलोचना

काव्य : रघुवीर सहाय- अकाल, अधिनायक (रघुवीर सहाय : प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल पेपर बैक्स)

सुदामा पाण्डेय 'धूमिल'- भाषा की रात

केदारनाथ सिंह- सन् '46 को पार करते हुए (केदानाथ सिंह : प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल पेपर बैक)

अशोक वाजपेयी- पथहारा वक्तव्य

राजेश जोशी- ईष्ट और बिम्ब

मंगलेश डबराल- संगतकार

वीरेन डंगवाल- हमारा समाज

इकाई-2

- समकालीन हिंदी कहानी की मुख्य प्रवृत्तियां और कहानी आंदोलन
- समकालीन हिन्दी उपन्यास : झीनी-झीनी बीनी चदरिया- अब्दुल बिस्मिल्ला, गायब होता देश- रणेन्द्र
- कहानी- तिरिया चरित्तर- शिवमूर्ति, जंगल का दाह- स्वयं प्रकाश, चिट्ठी- अखिलेश, फैसला- मैत्रेयी पुष्पा

इकाई-3

नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

- समकालीन हिंदी रंगमंच और आधुनिक नाटक
- समकालीन साहित्य में संस्मरण, यात्रा-वृत्तान्त, निबंध, जीवनी व आत्मकथा एवं अन्य गद्य विधाओं की स्थिति, विधाओं में संरचनागत परिवर्तन और विधाओं का अंतर्गुंफन
- विशेष अध्ययन

  नाटक- कोर्ट मार्शल (स्वदेश दीपक)

  आत्मकथा- मुर्दहिया (तुलसीराम)

इकाई-4

- समकालीन विमर्श और हिंदी आलोचना
- संरचनावाद एवं उत्तर-संरचनावाद
- आधुनिकता और उत्तर-आधुनिकतावाद

इकाई-5

- औपनिवेशिकता और उत्तर-औपनिवेशिकता

  स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श

संदर्भ पुस्तकें

अज्ञेय	:	आत्मनेपद, सर्जना और संदर्भ
रघुवीर सहाय	:	लिखने का कारण
नामवर सिंह	:	कविता के नये प्रतिमान
मुक्तिबोध	:	नयी कविता का आत्म संघर्ष
मलयज	:	कविता से साक्षात्कार
मार्कण्डेय	:	कहानी की बात
देवीशंकर अवस्थी	:	नयी कहानी : संदर्भ और प्रकृति
राजेन्द्र यादव	:	कहानी : शिल्प और संवेदना
रामदरश मिश्र	:	हिंदी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा
निर्मला जैन	:	आधुनिक हिन्दी काव्य : रूप और संरचना
नेमिचंद जैन	:	रंगदर्शन
सुरेश शर्मा	:	रघुवीर सहाय का कविकर्म
हुकुमचन्द राज्यपाल	:	समकालीन बोध और धूमिल का काव्य
परमानन्द श्रीवास्तव	:	समकालीन कविता का यथार्थ
जे0बी0 कृपलानी	:	गांधी : जीवन और चिन्तन
फ्रायड	:	मनोविश्लेषण
राहुल सांकृत्यायन	:	कार्ल मार्क्स
विजय मोहन सिंह	:	आज की कहानी
राजेन्द्र कुमार	:	साहित्य में सृजन के आयाम और विज्ञानवादी दृष्टि

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

स्त्री विमर्श और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 576

इकाई-1

- नारीवाद एवं स्त्री विमर्श : सिद्धान्त और अवधारणाएँ
- नारीवाद और जेण्डर-विमर्श
- स्त्रीमुक्ति आंदोलन/नारीवादी आंदोलन : ऐतिहासिक विकास, प्रमुख मुद्दे
- मार्क्सवादी चिंतन में स्त्री-मुक्ति की अवधारणा
- स्त्रीवादी/स्त्रीमुक्ति की समकालीन (उत्तर-आधुनिक, उत्तर-औपनिवेशिक) अवधारणाएँ

इकाई-2

- मध्यकालीन साहित्य में स्त्री-स्वर
- नवजागरण कालीन साहित्य में स्त्री-प्रश्न और स्त्री लेखन
- स्त्री पत्रकारिता- प्रमुख पत्रिकाएँ, मुख्य प्रश्न, आधुनिक स्त्री वैचारिकी का निर्माण
- प्रगतिशील साहित्य में स्त्री-मुक्ति का प्रश्न
- समकालीन लेखन में स्त्री की उपस्थिति और उनका साहित्य

इकाई-3

- कविता में स्त्री और स्त्री की कविता
- स्त्रीवादी कविता की काव्यभाषा, मुहावरा
- लेकगीतों में स्त्री
- स्त्रीवादी काव्य की अंतर्वस्तु और विचारधारा
- निर्धारित कविताएँ- (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु) आजाद (अर्चना वर्मा), मैं हूँ एक स्त्री (शुभ्रा) सात भाइयों के बीच चम्पा, हाकी खेलती लड़कियाँ (कात्यायनी), रात नींद सपने और स्त्री, सच का दर्पण (सविता सिंह), स्त्रियाँ, एक औरत का पहला राजकीय प्रवास (अनामिका),

पाठ्यपुस्तक :

- 'बीसवीं सदी का हिंदी महिला लेखन : उत्तरार्द्ध की कविताएँ', में संकलित संपा० अनामिका, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली

इकाई-4

- कथा की औरतें और औरत की उत्तरकथा
- स्त्री की आत्मकथा : आत्म के साथ समाज की कथा

- स्त्री जीवन के संघर्ष का महाख्यान : स्त्री का उपन्यास लेखन
- निर्धारित पाठ (आलोचनात्मक अध्ययन एवं व्याख्या हेतु)-
  कहानियाँ- आजादी शम्मोजान की- कृष्णा सोबती, कील और कसक- मन्नू भंडारी, मीरा नाची- मृदुला गर्ग, लड़कियाँ- ममता कालिया, फाँस- मनीषा कुलश्रेष्ठ
  उपन्यास- इदन्नमम- मैत्रेयी पुष्पा
  आत्मकथा- अन्या से अनन्या- प्रभा खेतान

इकाई-5

- स्त्रीवादी लेखन की वैचारिकी का विकास
- समाज और पुरुष को देखने की स्त्री-दृष्टि
- स्त्री-वैचारिकी में धर्म-स्त्री की स्वाधीनता को बाँधने वाली जंजीर
- निर्धारित पाठ (व्याख्या एवं आलोचनात्मक अध्ययन हेतु)-
  सीमंतनी उपदेश- संपा0 धर्मवीर, शृंखला की कड़ियाँ- महादेवी वर्मा

संदर्भ पुस्तकें :

साधना आर्य, निवेदिता मेनन,
जिनी लोकनीता : नारीवादी राजनीति : संघर्ष एवं मुद्दे
शुभ्रा परमार : नारीवादी सिद्धांत और व्यवहार
गोपा जोशी : भारत में स्त्री असमानता : एक विमर्श
जॉन स्टुअर्ट मिल : स्त्रियों की पराधीनता
मल्लिका सेनगुप्त : स्त्रीलिंग निर्माण
सीमोन द बोउवा : स्त्री उपेक्षिता
अर्चना वर्मा : अस्मिता विमर्श का स्त्री स्वर
अनामिका : स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा
अनामिका : स्त्री विमर्श का लोकपक्ष
सुधा सिंह : ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ
संपा0 सुधा सिंह : स्त्री अस्मिता : साहित्य और विचारधारा
सुनंदा पराशर : हिंदी नवजागरण और स्त्री अस्मिता
सुमन राजे : हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
स्त्रीत्व से हिंदुत्व तक : चारु गुप्ता
संपा0 राजकिशोर : स्त्री : परंपरा और आधुनिकता
रेखा कस्तवार : स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ
प्रभा खेतान : बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ
संपा0 लालसा यादव : स्त्री विमर्श की कहानियाँ

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

दलित विमर्श और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 577

इकाई-1

वैचारिकी एवं सौन्दर्यशास्त्र

- दलित विमर्श एवं साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : आजीवक परंपरा एवं संत आन्दोलन, स्वामी अछूतानन्द हरिहर का आदिधर्मी आन्दोलन, अम्बेडकर और कांशीराम के आन्दोलन
- उत्तर आंबेडकर दलित चिंतन : प्रमुख संदर्भ बिन्दु
- दलित साहित्य की अवधारणा, उद्भव एवं विकास की परम्परा, समाजशास्त्र, सौन्दर्य दृष्टि, अध्ययन और आलोचना
- हिन्दी साहित्य में दलित : निराला, प्रेमचंद, नागार्जुन और राहुल सांकृत्यायन का दलित विषयक लेखन
- दलित प्रश्न और हिन्दुवाद, गांधीवाद और मार्क्सवाद
- दलित साहित्य एवं चिंतन में स्त्री और दलित स्त्री
- स्वतंत्र भाषा एवं सौन्दर्यशास्त्र का प्रश्न

इकाई-2

कविताएँ

- हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि अस्मिता का संघर्ष, विषयवस्तु, इतिहास बोध, सौंदर्य दृष्टि और काव्य भाषा एवं शिल्प
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्धारित कविताएँ :

  ओम प्रकाश वाल्मीकि : पेड, ठाकुर का कुआँ, ज्वालामुखी, शम्बूक का कटा सिर, तनी मुट्ठियाँ, सदियों का संताप, मुट्ठी भर चावल, आदिम रूप, जाति, एक और युद्ध, लावा, अब और नहीं, शब्द झूठ नहीं बोलते, मलखान सिंह- मुझे गुस्सा आना है, हमारे गाव में

  जयप्रकाश लीलवन- कामरेड से बातचीत, जनपथ

  श्योराज सिंह बेचैन- बहनों से बोलो, चमार की चाय, नीच नहीं अलग जाति हैं हम

  कँवल भारती- जब तक व्यवस्था जीवित है

  कावेरी- प्रेरणा, खाइयाँ

  स्वामी अछूतानंद हरिहर- मनु के प्रति

  हीरा डोम- अछूत की शिकायत

इकाई-3

उपन्यास

- दलित उपन्यास- संदर्भ और विषय वस्तु की नवीनता, संवेदना और शिल्प का

वैशिष्ट्य, सामाजिक और सांस्कृतिक सरोकार, औपनिवेशिक भाषा एवं शिल्प

- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्धारित उपन्यास
  विजय सौदाई : दलित

इकाई-4

कहानियाँ

- दलित कहानी : उद्भव और विकास, संवेदना एवं कथावस्तु की नवीनता, कथा भाषा एवं शिल्पगत वैशिष्ट्य
- व्याख्या और आलोचना हेतु निर्दिष्ट कहानियाँ- ओमप्रकाश वाल्मीकि- घुसपैठिये, श्योराज सिंह बेचैन- रावण, मोहनदास नैमिषराय- अपना गाँव, सूरजपाल चौहान- बदबू, बी0एल0 नैय्यर- चतुरी चमार की चाट, प्रेम कपाडिया- हरिजन, विपिन कुमार- कंघा, अजय नावरिया- पटकथा, प्रेमचंद- कफ़न
- नाटक- सुनो कामरेड (केवल आलोचना)

इकाई-5

आत्मकथाएं (केवल आलोचना)

- हिन्दी दलित आत्मवृत्त/आत्मकथाएँ- दलित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक जीवन के दस्तावेज
- आलोचनात्मक अध्ययन हेतु निर्दिष्ट आत्मकथाएं- ओमप्रकाश वाल्मीकि- जूठन, कौशल्या नंदिनी बैसंत्री- दोहरा अभिशाप, श्यौराज सिंह बेचैन- मेरा बचपन मेरे कंधों पर, धर्मवीर- मेरी पत्नी और भेड़िया, तुलसीराम- मणिकर्णिका
- हिन्दी की दलित पत्रकारिता

संदर्भ पुस्तकें :

कँवल भारती	:	दलित विमर्श की भूमिका
कँवल भारती	:	दलित कविता का संघर्ष
कँवल भारती	:	स्वामी अछूतानन्द 'हरिहर' और हिन्दी नवजागरण
रत्नकुमार सांभरिया	:	मुंशी प्रेमचंद और दलित समाज
रजतरानी मीनू	:	हिन्दी दलित कथा साहित्य : अवधारणाएँ और विधाएं
श्यौराज सिंह 'बेचैन'	:	हिन्दी की दलित पत्रकारिता पर पत्रकार अम्बेडकर का प्रभाव
श्यौराज सिंह 'बेचैन'	:	उपन्यास साहित्य में दलित समस्या और समाधान
श्यौराज सिंह 'बेचैन'	:	उत्तर सदी के हिन्दी उपन्यासों में दलित विमर्श
धर्मवीर	:	दलित चिन्तन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास चिंतन की ओर
धर्मवीर	:	महान आजीवक : कबीर, रैदास और गोसाल
धर्मवीर	:	हिन्दी की आत्मा
ओमप्रकाश वाल्मीकि	:	दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र

पत्रिकाएँ :

हंस (दलित साहित्य विशेषांक : सत्ता विमर्श और दलित, विशेषांक, अंक-58), बहुरि नहिं आवना, कथाक्रम (दलित विशेषांक)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

17वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 578

इकाई-1

अदिवासी की अवधारणा : एक परिचय

- आदिवासी की अवधारणा से सम्बंधित अन्य अवधारणाओं का परिचय
- भारतीय संविधान निर्मात्री सभा की बहसों एवं भारतीय संविधान के अनुसार आदिवासी
- यू0एन0ओ0 रिपोर्ट के अनुसार आदिवासी
- विभिन्न विद्वानों द्वारा दी गई आदिवासी की परिभाषाएं

इकाई-2

भारतीय आदिवासी समाज : ऐतिहासिक, भौगोलिक व सांस्कृतिक परिचय

- भारतीय आदिवासी समुदाय : क्षेत्र एवं राज्यवार उपस्थिति
- भारतीय आदिवासी समुदाय : एक सांस्कृतिक विश्लेषण
- जंगल क्षेत्रीय आदिवासी समुदाय एवं संस्कृतियां
- दुर्गम क्षेत्रीय (पहाड़ी, दर्रे व दलदली क्षेत्र) आदिवासी समुदाय एवं संस्कृतियां
- मैदानी क्षेत्रीय आदिवासी समुदाय एवं संस्कृतियां
- शहरी माध्यमवर्गीय आदिवासी वर्ग एवं उसकी संस्कृति
- समग्रतः आदिवासी दर्शन एवं संस्कृति

इकाई-3

आदिवासी साहित्य : अवधारणा एवं परंपरा

- आदिवासी साहित्य की अवधारणा : एक परिचय (आदिवासी रचनाकारों द्वारा रचित साहित्य, गैर-आदिवासी रचनाकारों द्वारा रचित साहित्य एवं आदिवासी दर्शन आधारित साहित्य)
- आदिवासी साहित्य : इतिहास एवं परम्परा (आदिवासी रचनाकारों द्वारा रचित साहित्य, गैर आदिवासी रचनाकारों द्वारा रचित साहित्य)
- आदिवासी कला एवं सौन्दर्यबोध
- आदिवासी भाषा चिंतन- के0एम0 मैत्री, मोतीरावण कंगाली (गौंडी व्याकरण), टेकसिंह टेकाम, जी0एन0 देवी

इकाई-4

आदिवासी साहित्य : व्याख्या एवं आलोचना हेतु निर्धारित पाठ

- **कविताएं-** कथन शालवन के अंतिम शाल की (रामदयाल मुंडा) स्टेज (वाहरु सोनवने), अगर तुम मेरी जगह होते (निर्मला पुतुल), एकलव्य से संवाद (अनुज लुगुन), जब आदिवासी गाता है (जमुना बिन्नी), पाषाण पटिया (सावित्री बड़ाइक), नदी, पहाड़ और बाजार (जसिंता केरकेट्टा), प्रश्नों के तहखानों से (महादेव टोप्पो), कविताओं वाली नदी (वंदना टेटे), शिकारी दल अब आते हैं (उज्ज्वला ज्योति तिग्गा), नहीं तो घास भर जाएगा (सुषमा असुर), पहाड़ी स्त्री का दुःख (स्नेहलता नेगी)
- **कहानियाँ-** माँ (रोज केरकेट्टा), बड़ी नदी छोटी नदी (पीटर पॉल एक्का), धरती लहराएगी (एलिस एक्का), साक्षी है पीपल (जोराम नाबाम यालम), रहना नहीं देश बिराना है (विजय सिंह मीना), ठंडी गदूली (चरणसिंह पथिक)
- **उपन्यास-** धूनी तपे तीर (हरिराम मीना), माटी माटी अरकाटी (अश्वनी कुमार पंकज)
- **आत्मकथा-** जंगल से परे (एस0 रथनामल)
- **नाटक-** कालीबाई (प्रभात)

इकाई-5

आदिवासी विमर्श एवं आलोचना

- डॉ0 रामदयाल मुंडा का आलोचना कर्म (आदि धरम)
- डॉ0 वीरभारत तलवार का आलोचना कर्म (झारखंड के आदिवासियों के बीच)
- हरिराम मीणा का आलोचना कर्म (आदिवासी दुनियाँ)
- मोती रावण कंगाली (गोंडवाना की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि)
- वंदना टेटे का आलोचना कर्म (आदिवासी दर्शन व आदिवासी साहित्य)
- डॉ0 गंगासहाय मीना का आलोचना कर्म (आदिवासी साहित्य चिंतन की भूमिका)
- अश्वनी कुमार पंकज का आलोचना कर्म (मरंग मोमके जयपाल सिंह मुंडा/प्राथमिक आदिवासी विमर्श)

संदर्भ पुस्तकें :

वंदना टेटे	:	आदिवासी साहित्य, परम्परा और प्रयोजन
वंदना टेटे	:	आदिवासी दर्शन और साहित्य
वंदना टेटे	:	वाचिकता : आदिवासी दर्शन, साहित्य और सौंदर्यबोध
टी0सी0 डामोर एवं धनपत सिंह	:	आदिवासी भारत- जैसा देखा,
ग्लैडसन डुंगडुंग	:	संविधान की पांचवीं अनुसूची और आदिवासी अधिकार

ग्लैडसन डुंगडुंग : सुप्रीम कोर्ट के फैसले और आदिवासी अधिकार
गंगा सहाय मीणा : आदिवासी साहित्य विमर्श
गंगा सहाय मीणा : आदिवासी चिंतन की भूमिका
हरिराम मीणा : आदिवासी दुनिया
रामदयाल मुंडा एवं रतनसिंह मानकी : आदि धरम, आदिवासियों की धार्मिक आस्थाएं
रामदयाल मुंडा एवं रतनसिंह मानकी : आदिवासी अस्तित्व और झारखंडी अस्मिता के सवाल
जयपालसिंह मुंडा : लो बिर सेंदरा
रमणिका गुप्ता : आदिवासी कौन ?
वीरभारत तलवार : झारखंड के आदिवासियों के बीच
वीरभारत तलवार : झारखंड आंदोलन के दस्तावेज
अश्विनी कुमार पंकज : मरंग गोमके जयपाल सिंह मुंडा
: प्राथमिक आदिवासी विमर्श

पत्रिकाएं :

अरावली उद्घोष, आदिवासी साहित्य, झारखंडी भाषा साहित्य संस्कृति अखड़ा

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

18वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिंदी आलोचना

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 579

इकाई-1

- आरम्भिक आलोचनात्मक प्रयासः एक परिचय
- भारतेन्दु युग-भारतेंदु, प्रेमघन और बालकृष्ण भट्ट की आलोचनात्क दृष्टि
- द्विवेदी युग-महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र-बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा, लाला भगवानदीन, रामचंद्र शुक्ल की आलोचनात्मक दृष्टि

इकाई-2

- शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय
- शुक्लानुवर्ती आलोचक- डॉ0 नगेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
- शुक्लात्तर आलोचक- नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी,

इकाई-3

- मार्क्सवादी आलोचना : एक सामान्य परिचय
- प्रगतिशील लेखक संघ का जन्म और उसका घोषणा पत्र
- शिवदान सिंह, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय
- रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, विश्वनाथ त्रिपाठी, शिवकुमार मिश्र, मैनेजर पाण्डेय

इकाई-4

- नयी कविता का दौर और हिंदी आलोचना : एक सामान्य परिचय
- अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, धर्मवीर भारती, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, मलयज, रमेशचन्द्र शाह

इकाई-5

- समकालीन हिंदी आलोचना और नये विमर्श
- हिंदी नवजागरण पर पुनर्विचार
- स्वातंन्त्रयोत्तर हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियों पर बहस
- पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना
- साहित्य के आलोचनात्मक कैनन (मानमूल्य)
- स्त्री विमर्श और आलोचना
- दलित विमर्श और आलोचना

- आलोचना का अन्तः अनुशासनिक क्षेत्र

संदर्भ पुस्तकें

भगवत्स्वरूप मिश्र : हिंदी आलोचना : उद्‌भव एवं विकास

रामदरश मिश्र : हिंदी समीक्षा : स्वरूप और संदर्भ

विश्वनाथ त्रिपाठी : हिंदी आलोचना

नंदकिशोर नवल : आधुनिक हिंदी आलोचना का विकास

रामविलास शर्मा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना

निर्मला जैन : हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी

हुकुमचन्द राजपाल : समकालीन हिंदी समीक्षा

रमेश कुमार : नवजागरण और हिंदी आलोचना

पुष्पिता अवस्थी : आधुनिक हिंदी काव्यआलोचना के 100 वर्ष

मैनेजर पाण्डेय : आलोचना की सामाजिकता

सं0 कमलाप्रसाद, सुधीर रंजन सिंह, राजेंद्र शर्मा : नामवर सिंह : आलोचना की दूसरी परंपरा

शिवकुमार मिश्र : हिंदी आलोचना की पंरपरा और रामचंद्र शुक्ल

वीरेंद्र सिंह : आधुनिक साहित्य

निर्मला जैन : आधुनिक साहित्य

नामवर सिंह : इतिहास और आलोचना

देवीशंकर अवस्थी : आलोचना का द्वन्द

बच्चन सिंह : आधुनिक हिंदी आलोचना के बीज शब्द

शिवकुमार मिश्र : यथार्थवाद

रामविलास शर्मा : परम्परा का मूल्यांकन

कृष्णदत्त पालीवाल : हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार

राजेन्द्र कुमार, सं0 : आलोचना का विवेक

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

18वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

साहित्य का समाजशास्त्र

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 580

इकाई-1

साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका

- साहित्य और समाज का अन्तर्सम्बंध
- साहित्य के समाजशास्त्रीय अध्ययन की जरूरत एक स्वतंत्र साहित्य विधा का विकास
- साहित्य के सामाजशास्त्र के इतिहास : समाजशास्त्रीय दृष्टि से साहित्य के अध्ययन की परम्पराएं-पाश्चात्य एवं भारतीय परिप्रेक्ष्य

इकाई-2

साहित्य के प्रमुख समाजशास्त्री और उनकी अवधारणाएं

- पाश्चात्य समाजशास्त्री : अडोल्फ तेन; लियो लावेंथल; लूसिए गोल्डमान; रेमण्ड विलियम्स
- भारतीय समाजशास्त्री : डी0डी0 कोसम्बी; पी0सी0 जोशी; श्यामाचरण दुबे; बी0 आर0 अम्बेडकर

इकाई-3

साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ और पद्धतियां :

- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख दृष्टियाँ : साहित्य में समाज की खोज; समाज में साहित्य और साहित्यकार की स्थितिः साहित्य और पाठक समुदाय : लोकप्रिय साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्य और जन-संचार माध्यम
- साहित्य के समाजशास्त्र की प्रमुख पद्धतियाँ : विधेयवाद, अनुभववाद, संरचनावाद, मार्क्सवाद और अस्मितावाद

इकाई-4

विधाओं का समाजशास्त्र : साहित्यिक विधाओं की उत्पत्ति और विकास का समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य

- **उपन्यास का समाजशास्त्र-** भारत में उपन्यास का उदय और विकास; भारतीय उपन्यास की भारतीयता, उपन्यास और लोकतंत्र
- **हिन्दी के प्रमुख उपन्यासों का समाजशास्त्रीय विश्लेषण :** गोरा, गोदान, रह गई दिशाएँ इसी पार (संजीव)

- **कविता के समाजशास्त्रीय अध्ययन की चुनौतियाँ :** हिन्दी कविता का समाजशास्त्री विश्लेषण : प्राचीन काव्य; भक्तिकाव्य; रीतिकाव्य; आधुनिक कविता, समकालीन कविता

इकाई-5

समकालीन अस्मितामूलक साहित्य का समाजशास्त्र

- **दलित साहित्य का समाजशास्त्र-** दलित आत्मकथा, दलित कविता एवं दलित उपन्यास
- **स्त्री लेखन का समाजशास्त्र-** स्त्री आत्मकथा; स्त्री कविता एवं स्त्री केन्द्रित उपन्यास

संदर्भ पुस्तकें

डॉ0 नगेन्द्र	:	साहित्य का समाजशास्त्र
मैनेजर पाण्डेय	:	साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका
निर्मला जैन (सं)	:	साहित्य का समाजशास्त्रीय चिन्तन
धर्मवीर	:	दलित चिंतन का विकास : अभिशप्त चिंतन से इतिहास
		चिंतन की ओर
सुधा सिंह	:	ज्ञान का स्त्रीवादी पाठ

पत्रिकाएँ :

आलोचना नवांक 20, 1972

आलोचना, नवांक 25, 1973

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

18वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

विचारधारा और साहित्य

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 581

इकाई 01

- विचारधारा क्या है? समाज, साहित्य और विचार का अन्तःसंबंध

इकाई-02

- विचारधारा और कला, विचारधारा और साहित्य के द्वन्दात्मक संबंध, साहित्य की इतिहास दृष्टि और विचारधारा-यथार्थवाद, आदर्शवाद, प्रकृतवाद और विचारधारा

इकाई-03

- आधुनिक विचारधाराएं और हिंदी साहित्य
  (क) मानवतावाद (ख) सुखवाद और उपयोगिता (ग) राष्ट्रवाद (घ) मार्क्सवाद (ड़) समाजवाद (च) अस्तित्ववाद (छ) नारीवाद (ज) अंबेडकरवाद

इकाई- 04

- धार्मिक दार्शनिक विचारधाराएं और उनका मध्यकालीन और आधुनिक हिंदी साहित्य पर प्रभाव
  (क) वेदान्त तथा अन्य दार्शनिक विचार (ख) इस्लाम (ग) सूफीवाद(घ) बौद्ध एवं जैन दर्शन (ड़) रहस्यवाद
  (क) कलावाद (ख) रूपवाद (ग) अनुभववाद (घ) नयी समीक्षा (ड़) संरचनावाद और उत्तर-संरचनावाद (च) उत्तर-आधुनिकतावाद

संदर्भ पुस्तकें

गोरख पाण्डे (सं0)	:	कलाा और साहित्य का चिन्तन
रामविलास शर्मा	:	आस्था और सौन्दर्य (नवीन संस्करण)
रामविलास शर्मा	:	मार्क्स और पिछड़े हुए समाज
मैनेजर पाण्डेय	:	शब्द और कर्म
मैनेजर पाण्डेय	:	आलोचना की सामाजिकता

Paarekh, Bhikhu	:	Mark"s Theory of Ideology
Althusser, Louis	:	Lenin and Philosophy and other Essays
Fischer, Earnest	:	Art Against ideology
Khrapchenko, M	:	The Writer"s creative individuality and development of Literature
Macherey, Pierre	:	A theory of Literature
Walliams, Raymond	:	Marxism and Litarature
Do	:	On Ideology, Centre for Contemporary Cultural Studies
Eagleton, Terry	:	Criticism and Ideology, London
Do	:	The Ideology of the Aeshetic
Lichtheim George	:	The Concept of Ideology and other essays

पत्रिकाएं

आलोचना, नवांक 18 अप्रैल-जून 1970

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिंदी और उर्दू साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 582

इकाई-1

हिंदी और उर्दू का भाषिक एवं लिपिगत संबंध

- हिंदी और उर्दू का आरंभ
- दोनों भाषाओं का ध्वनिगत साम्य
- व्याकरणिक पक्ष-वाक्य विन्यास, क्रिया, समास
- मुहावरों एवं कहावतों में साम्य
- उर्दू और देवनागरी लिपि का साम्य-वैषम्य

इकाई-2

हिंदी और उर्दू का आरंभिक साहित्य

- हिंदी और उर्दू के साझा कवि अमीर खुसरो
- हिंदी के प्रेमाख्यानक काव्य और उर्दू मसनवियों में साम्य-वैषम्य
- हिंदी और उर्दू में रामकाव्य परंपरा का तुलनात्मक अध्ययन
- हिंदी और उर्दू में कृष्णकाव्य परंपरा का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई-3

हिंदी की रीतिकालीन कविता और समकालीन उर्दू काव्य

- सौंदर्य चित्रण, नख-शिख वर्णन, दरबारी काव्य परंपरा

इकाई-4

हिंदी और उर्दू का आधुनिक साहित्य

- फोर्ट विलियम कॉलेज, 1857 की क्रांति और नवजागरण
- भारतेंदु और हाली युगीन काव्य का तुलनात्मक अध्ययन
- हिंदी और उर्दू में गद्य लेखन की परंपरा
- हिंदी और उर्दू साहित्य में स्वतंत्रता आंदोलन की उपस्थिति
- हिंदी और उर्दू की प्रगतिशील काव्य परंपरा का तुलनात्मक अध्ययन
- हिंदी और उर्दू कथा साहित्य में भारत-विभाजन

इकाई-5

हिंदी और उर्दू साहित्य में समकालीन विमर्श

- स्त्री विमर्श-कहानी और कविता
- दलित और पिछड़ा विमर्श तथा पसमांदा साहित्य

संदर्भ पुस्तकें

एहतेशाम हुसैन : उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
गोपीचंद नारंग : बीसवीं शताब्दी में उर्दू साहित्य
गोपीचंद नारंग : उर्दू पर खुलता दरीचा
नगमा जावेद मलिक : हिंदी और उर्दू कविता में नारीवाद
मोहम्मद हुसैन आजाद : आबे-हयात
मोहन अवस्थी : हिंदी रीति कविता और समकालीन उर्दू काव्य
नामवर सिंह : आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
रघुपति सहाय फिराक : उर्दू भाषा और साहित्य
राजेंद्र यादव : कथा जगत की बागी मुस्लिम औरतें
रामचंद्र शुक्ल : हिंदी साहित्य का इतिहास
रुखसाना शेख : आधुनिक हिंदी-उर्दू काव्य का तुलनात्मक अध्ययन
लक्ष्मी सागर वार्ष्णेय : फोर्ट विलियम कॉलेज
वजीर आगा : उर्दू शायरी का मिज़ाज़
शम्सुर्रहमान फारुकी : उर्दू का आरंभिक युग
शीतांशु : कंपनी राज और हिंदी

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिन्दी और बांग्ला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 583

इकाई-1

हिन्दी और बंगला का भाषिक अंतर्सम्बंध

- ऐतिहासिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

इकाई-2

- **हिन्दी और बंगला का आरम्भिक साहित्य :** जैन, बौद्ध तथा नाथों का प्रभाव, शौर्य काव्य

इकाई-3

- भक्ति आंदोलन की हिन्दी और अंगला में अभिव्यक्ति (क) निर्गुण काव्य (ख) सगुण काव्य (ग) सहजिया सम्प्रदाय (घ) बाउल गीत
- हिन्दी और बंगला के भक्ति साहित्य का सांस्कृतिक अंतर्सम्बंध

इकाई-4

- रीतिकाल और हिन्दी व बंगला का शृंगारिक काव्य
- काव्य कला तथा सौन्दर्य-दृष्टि की तुलना

इकाई-5

आधुनिक नवजागरण और हिन्दी-बंगला साहित्य :

- (क) आधुनिक कविता (ख) गद्य की प्रमुख विधाएँ : उपन्यास, कहानी, नाटक
- बंगला और हिन्दी जाति का अंतर्सम्बंध
- हिन्दी और बंगला क्षेत्र की साहित्यिक पत्रकारिता

संदर्भ पुस्तकें

बंगला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन

भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश : रामविलास शर्मा

हिन्दी नवजागरण : गजेन्द्र पाठक

रस्काकशी : उन्नीसवीं : वीरभारत तलवार

सदी का नवजागरण और पश्चिमोत्तर प्रांत भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा

बंगला नवजागरण : सुशोभन सरकार

भारतीय नवजागरणा और पुनरुत्थानवादी चेतना : मोहित कुमार हालदार

हिन्दी और बंगला साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन : कल्याणीदास गुप्त

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिंदी और तेलुगु साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04
कोड : HIN 584

इकाई-1

हिंदी और तेलुगु का भाषिक संबंध

- (क) ध्वनिगत साम्य (ख) वाक्य विन्यास (ग) क्रियाओं में साम्य (घ) वाक्यों में साम्य (ड़) समास (च) कहावतों में साम्य

इकाई 2

हिंदी और तेलुगु आदिकाल साहित्य

- हिंदी और तेलुगु प्रबंध काव्य साम्य और वैषम्य

इकाई 3

हिंदी और तेलुगु का मध्यकालीन साहित्य

- मध्यकालीन साहित्य की प्रवृत्तियाँ एक विश्लेषण
- हिंदी और तेलुगु का भक्ति साहित्य एक अध्ययन
- हिंदी का रीतिकालीन साहित्य और तेलुगु का तत्कालीन साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई-4

हिंदी और तेलुगु नवजागरण कालीन एवं प्रगतिशील साहित्य

- स्वतंत्रता-पूर्व साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
- स्वातंत्र्योत्तर साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन
- हिंदी और तेलुगु की प्रगतिशील काव्यधारा का अध्ययन
- हिंदी और तेलुगु की प्रगतिशील कहानियों का तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 5

हिंदी और तेलुगु का समकालीन विमर्श

- (क) हिंदी और तेलुगु में दलित विमर्श का तुलनात्मक अध्ययन (ख) हिंदी और तेलुगु में स्त्री विमर्श का तुलनात्मक अध्ययन (ग) हिंदी और तेलुगु में प्रचलित आधुनिक विमर्श एक अध्ययन

संदर्भ पुस्तकें

गुरजाड कन्याशुल्कम-भीमसेन निर्मल, हिन्दी प्रचार नामपल्ली, हैदराबाद

मिट्टी मनुष्य और आकाश-प्रो0 आदेश्वर राव, मिलिंद प्रकाशन, हैदराबाद

बीसवी सदी का तेलुगु साहित्य-डॉ0 आई0एन0 चन्द्रशेखर रेड्डी, एस0 वी0 वि0वि0 तिरुपति

तेलुगु साहित्य : एक अवलोकन-जी0 नीरजा, आंन्ध्र प्रदेश अकादमी हैदराबाद

तुलनात्मक साहित्य- इन्द्रनाथ चौधरी (सं0) द0भ0हि0प्र0स0 टी नगर, चेन्नई

तेलुगु साहित्य का इतिहास-बाल शैरी रेड्डी, हिन्दी समिति, उ0प्र0 शासन रा0प्र0 टण्डन हिन्दी भवन महात्मा गाँधी मार्ग, लखनऊ

हिन्दी में दक्षिण भारतीय साहित्य-(सं0) डॉ0 विजय राधव रेड्डी, अकादमिक प्रतिभा, दिल्ली

सहस्र वर्षों का तेलुगु साहित्य-(सं0) प्रो0 वाई0लक्ष्मी प्रसाद,आ0हि0 अकादमी, हैदराबाद

दक्षिण भारत का संत परम्परा-डॉ0 राधाकृष्ण मूर्ति, कर्नाटक महिला हिन्दी सेवा समिति

हिन्दी और तेलुगु में महाकाव्य का स्वरूप-विकास : तुलनात्मक अध्ययन राजेश्वरनंदा शर्मा, तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश, श्री वेंकटेश्वर वि0वि0 1986

तेलुगु साहित्य : एक अंतर्यात्रा, गुर्रमकोण्डा नीरजा, श्री साहिती प्रकाशन, हैदराबाद

तेलुगु साहित्य का हिन्दी पाठ-ऋषभ देव शर्मा

तेलुगु साहित्य का हिन्दी अनुवाद : परम्परा और प्रदेश- ऋषभ देव शर्मा गुर्रमकोण्डा, नीरजा, परिलेख प्रकाशन

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

19वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

हिंदी एवं मराठी साहित्य का तुलनात्मक अध्ययन

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 585

इकाई-1

हिंदी एवं मराठी भाषा और साहित्य का उद्‌भव और विकास

- हिंदी और मराठी भाषा का उद्‌गम और विकास
- साहित्य का परस्पर प्रभाव
- लिपि साम्य का इतिहास
- हिंदी और मराठी का भक्तिकालीन साहित्य (नामदेव, तुकाराम, कबीर, रैदास)
- हिंदी और मराठी के महिला संत रचनाकार (जनाबाई, बहिणाबाई, मीरांबाई, सहजोबाई)

इकाई-2

आधुनिक हिंदी एवं मराठी के कवियों का तुलनात्मक अध्ययन

- विंदा करंदीकर एवं अज्ञेय
- नामदेव ढसाल एवं गजानन माधव मुक्तिबोध
- दिलिप चित्रे एवं विष्णु खरे
- भुजंग मेश्राम एवं निर्मला पुतुल
- प्रफुल्ल शिलेदासर एवं कुमार अंबुज
- अनुराधा पटील एवं अनामिका

इकाई-3

हिंदी एवं मराठी कथात्मक गद्य साहित्य

उपन्यास- कोसला (भालचन्द्र नेमाड़े) एवं रागदरबारी (श्रीलाल शुक्ल)

आत्मकथा- अछूत (दया पवार) एवं मुर्दहिया (तुलसीराम)

कहानी- फिनिक्स की राख से उठा मोर (जयंत पवार) रद्‌दोबदल (मनोज रूपड़ा)

इकाई-4

हिंदी एवं मराठी निबंध एवं वैचारिक साहित्य

- भारतेन्दु एवं महात्मा ज्योतिबा फुले
- महावीर प्रसाद द्विवेदी एवं गोपाल गणेश आगरकर
- रामचंद्र शुक्ल एवं गणेश त्र्यंबक देशपाण्डे

- महादेवी वर्मा एवं ताराबाई शिन्दे
- हरिशंकर परसाई एवं पु0 ल0 देशपाण्डे

इकाई-5

हिंदी एवं मराठी नाटक

- पार्टी (महेश एलकुंचवार) एवं एक और द्रोणाचार्य (शंकर शेष)

संदर्भ पुस्तकें

पिसाटी का बुर्ज-दिलिप चित्रे, अनुवाद चंद्रकांत पाटील,
आक्रोश का कोरम (नामदेव अनु चंद्रकांत पाटिल)
कोसला हिंदी अनुवाद भगवानदास वर्मा
पैदल चलूँगा-प्रफुल्ल शिलेदार
समकालीन मराठी साहित्य : गति-प्रगति, संपादन चंद्रकांत पाटील, साहित्य भंडार, इलाहाबाद

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

20वाँ प्रश्न पत्र (वैकल्पिक)

अनुवाद : सिद्धान्त और प्रक्रिया

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 586

इकाई-1

अनुवाद : सिद्धांत और इतिहास

- अनुवाद की अवधारणा एवं स्वरूप
- अनुवाद की प्रक्रिया
- अनुवाद सिद्धांत और इतिहास
- अनुवाद का पश्चिमी और भारतीय इतिहास
- अनुवाद का क्षेत्र और महत्व

इकाई-2

राजभाषा और अनुवाद

- राजभाषा का अभिप्राय और परंपरा
- हिंदी की संवैधानिक स्थिति

इकाई-3

साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद

- साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद का स्वरूप
- साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद के विभिन्न प्रकार
- साहित्यिक और साहित्येतर अनुवाद की समस्याएँ और चुनौतियाँ

इकाई-4

मशीनी अनुवाद

- मशीनी अनुवाद का इतिहास
- मशीनी अनुवाद की प्रक्रिया
- मशीनी अनुवाद की समस्याएँ और सीमाएँ

इकाई-5

पारिभाषिक शब्दावली और अनुवाद

- पारिभाषिक शब्द से तात्पर्य
- पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत और प्रक्रिया
- अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष

संदर्भ पुस्तकें :

- जी. गोपीनाथन, अनुवाद सिद्धांत एवं प्रयोग, 2001, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- गोस्वामी, कृष्णकुमार, अनुवाद विज्ञान की भूमिका, 2008, राजकमल प्रकाशन
- कुमार सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, 2005, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- तिवारी, भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान : सिद्धांत एवं प्रविधि, 2009, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
- मल्होत्रा, विजय कुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- तिवारी, भोलानाथ, पारिभाषिक शब्दावली और समस्याएँ
- तिवारी, भोलानाथ, अनुवाद की व्यवहारिक समस्याएं
- गोस्वामी, कृष्णकुमार, प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, कलिंगा प्रकाशन, नई दिल्ली

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर

20वाँ प्रश्न पत्र : वैकल्पिक

क्रेडिट : 04

कोड : HIN 682

सृजनात्मक लेखन

इकाई-1

सृजनात्मक लेखन : सामान्य परिचय

- सृजनात्मक लेखन, अर्थ स्वरूप और महत्त्व
- सृजनात्मक लेखन के दार्शनिक, मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और राजनीतिक आधार
- सृजनात्मक लेखन की प्रमुख विशेषताएँ

इकाई-2

सृजनात्मक लेखन की प्रक्रिया

- भाव एवं विचार की रचना में रूपांतरण की प्रक्रिया
- रचना-कौशल का विश्लेषण : भाषा रूप एवं रचनात्मक सौष्ठव।
- रचना प्रक्रिया : लेखन की अनिवार्यता की अनुभूति, परिस्थितियों की अनुकूलता, विषय-वस्तु का चयन, ज्ञान और अनुभव के आधार पर सोच-विचार, लेखन कार्य

इकाई-3

विभिन्न विधाओं की आधारभूत संरचनाओं का व्यावहारिक अध्ययन :

- कविता : संवेदना, काव्य रूप, भाषिक सौन्दर्य, छंद, लय, गति, तुक
- कथा साहित्य : वस्तु पात्र, परिवेश, कथानक और विमर्श
- नाट्य साहित्य : वस्तु, पात्र, परिवेश और रंगकर्म
- विविध गद्य विधाएं : निबंध, संस्मरण, व्यंग्य जीवनी, डायरी, यात्रा-वृतान्त, आदि
- बाल साहित्य के आधारभूत तत्त्व

इकाई-4

सृजनात्मक लेखन के विविध आयाम

- उपभोक्ता केंद्रित लेखन : स्लोगन, भाषण, गीत
- प्रचार सामग्री लेखन : बैनर, पोस्टर, हॉर्डिंग, पम्फलेट, वाल राइटिंग

- संचार माध्यमों (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक) के लिए लेखन : फीचर, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, पुस्तक समीक्षा, पटकथा, धारावाहिक, विज्ञापन, आदि
- सोशल मीडिया के लिए लेखन

इकाई-5

प्रकाशन

- लेखक-पाठक-प्रकाशन संबंध
- प्रकाशन एवं वितरण
- संपादन

संदर्भ पुस्तकें

- साहित्य चिंतन: रचनात्मक आयाम : रघुवंश
- रचनात्मक लेखन : संपा0- रमेश गौतम
- कला की जरूरत : अर्न्स्ट फिशर, अनु0 रमेश श्रीवास्तव
- साहित्य का सौंन्दर्य चिंतन : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
- कविता-रचना-प्रक्रिया : कुमार विमल
- कविता से साक्षात्कार : मलयज
- एक कवि की नोटबुक : राजेश जोशी
- उपन्यास की संरचना : गोपाल राय
- साहित्य सहचर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- पत्रकारी लेखन के आयाम : मनोहर प्रभाकर
- रेडियो लेखन : मधुकर गंगाधर
- पटकथा लेखन : असगर वजाहत, प्रभात रंजन
- कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी